नंबर 1 शब्द का ईश्वर

ईश्वर बनाया दुनिया

Bible Kids

आज का शब्द

शुरुआत में भगवान ने बनाया स्वर्ग और पृथ्वी.

उत्पत्ति 1:1

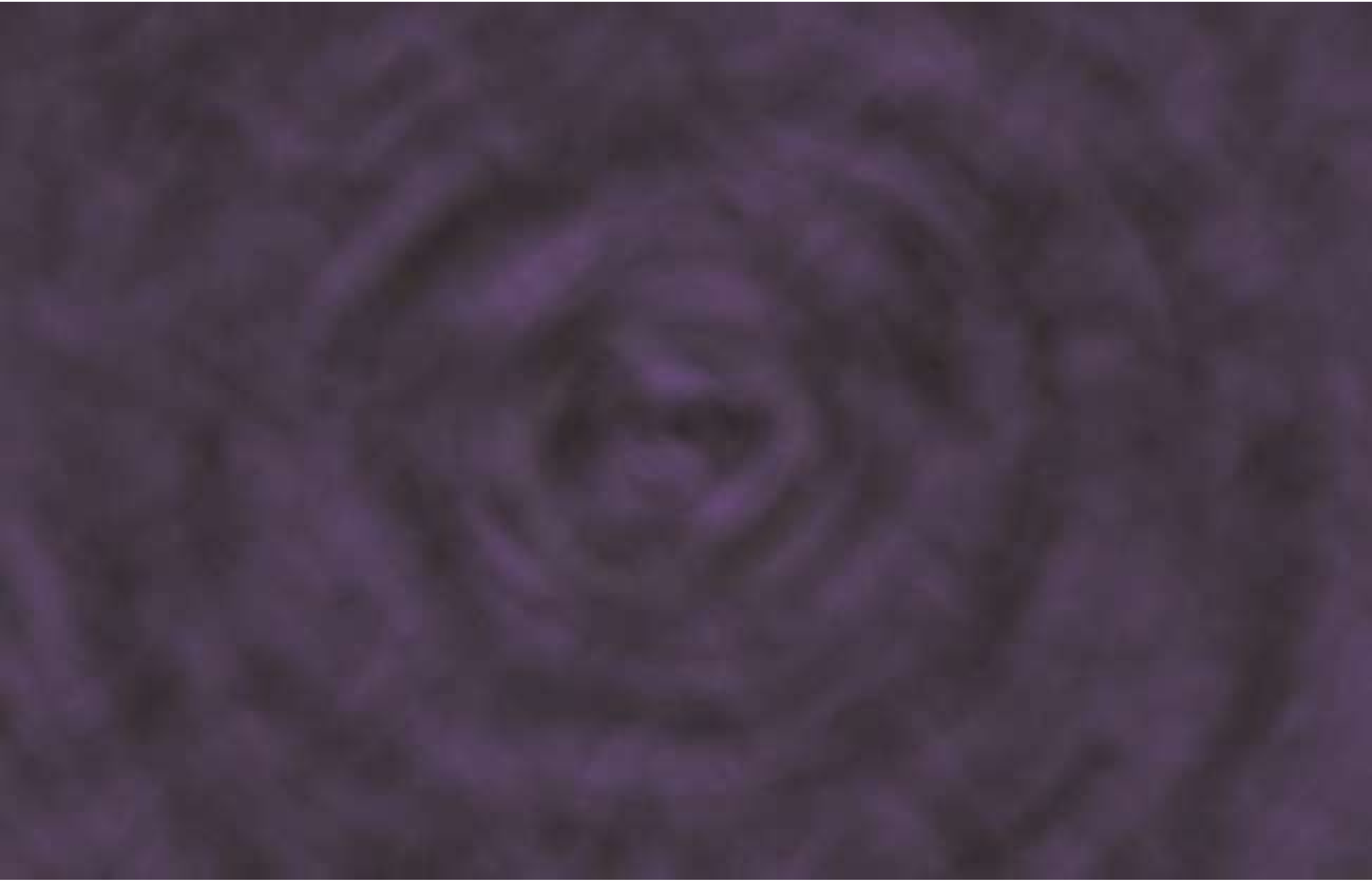

प्रारंभ में , सतह पर अंधकार छाया हुआ था।
वहां कोई आदमी नहीं था , कोई रोशनी नहीं थी . वहाँ

भगवान ने कहा, "वहाँ प्रकाश हो," और वहाँ प्रकाश था.

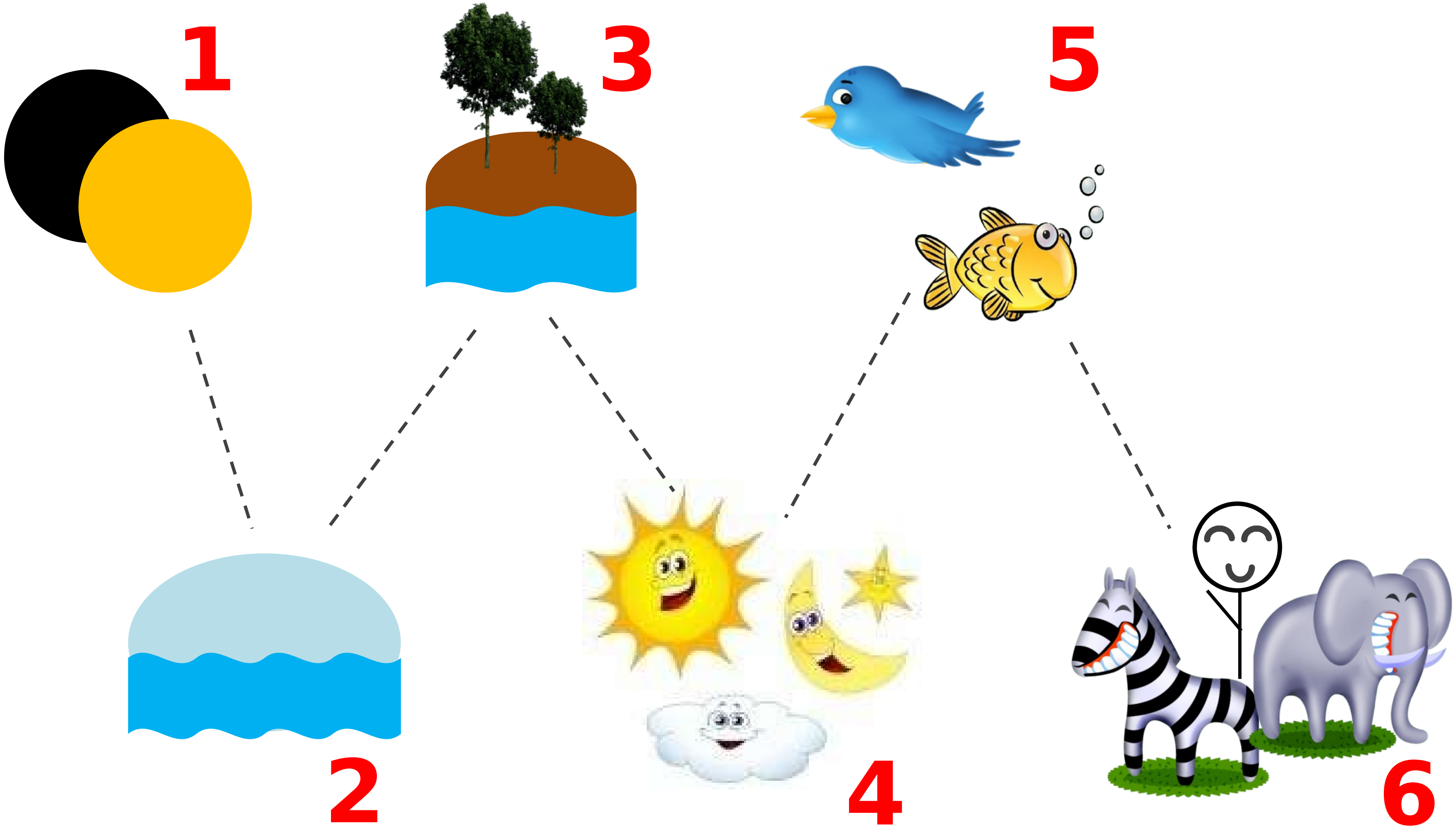

पहले दिन , परमेश्वर ने उजियाले को अन्धकार से अलग कर दिया। उसने छः दिन में सारी दुनिया

पृथ्वी पर , समुद्र में और आकाश में सभी प्रकार के जानवर और पौधे , पक्षी और मछलियाँ भरी हुई हैं। परमेश्वर ने जो कुछ उसने बनाया था उसे देखा और कहा ,

आज का पाठ

संसार को किसने बनाया?
भगवान ने दुनिया बनाई.

संसार को व्यवस्थित कौन रखता है? ईश्वर संसार को व्यवस्थित रखता है।

संसार अपने आप नहीं बना।
दुनिया को अपने आप नहीं हिलाया जा सकता.

हमें याद रखना चाहिए कि ईश्वर ने पूरी दुनिया बनाई है और वह अब भी उन सभी पर नियंत्रण रखता है।

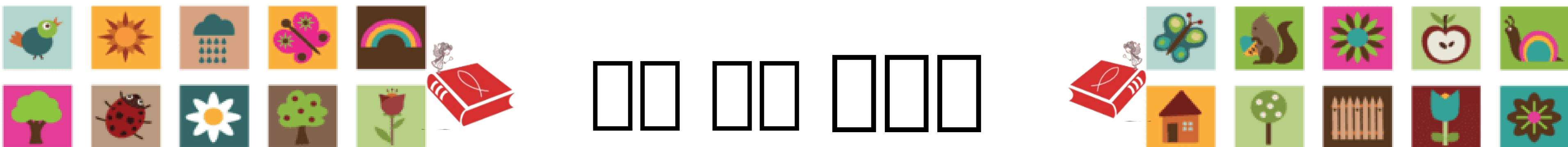

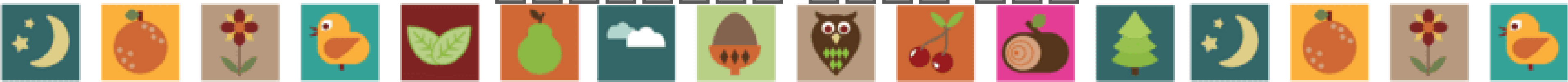

ईश्वर कौन है ?

वह है ...

वह निर्माता जिसने मेरे सहित
पूरी दुनिया को बनाया।

आज की प्रश्नोत्तरी

ईश्वर ने संसार को किससे बनाया ?

①पत्थर _

② पानी

③ धूल

④शब्द _

आज का शब्द

शुरुआत में भगवान ने बनाया स्वर्ग और पृथ्वी.

उत्पत्ति 1:1

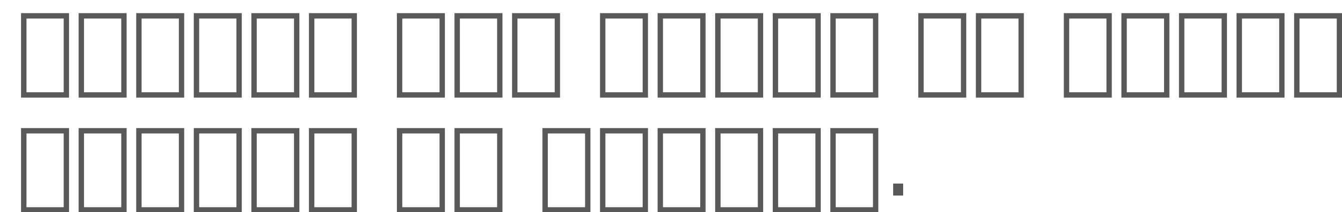

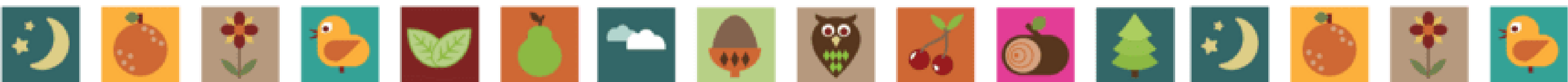

बाइबल किड्स नं .2 परमेश्वर का वचन

उन्होंने वर्जित फल खा लिया

Bible Kids

आज का शब्द

परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, परमेश्वर ने अपने स्वरूप के अनुसार उसे उत्पन्न किया;
नर और नारी करके उसने उन्हें उत्पन्न किया।
उत्पत्ति 1:27

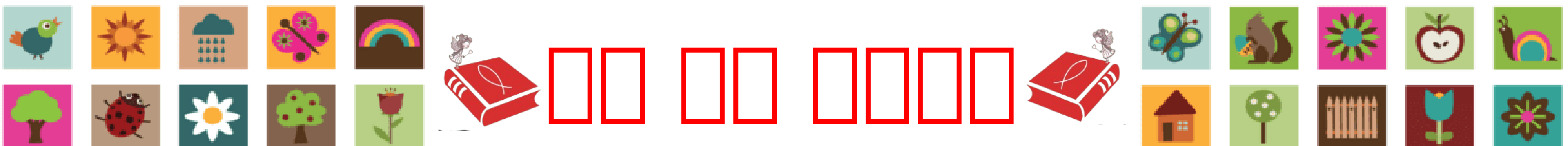

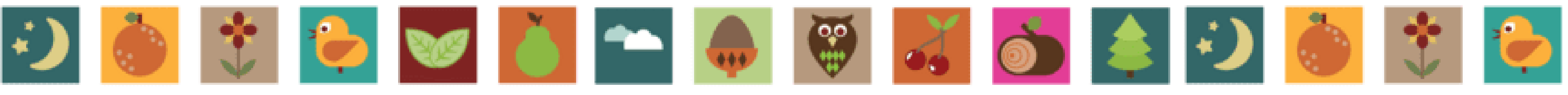

आदम और हव्वा परमेश्वर के प्राणियों में सर्वोत्तम प्राणी थे।

क्योंकि वे परमेश्वर के स्वरूप के अनुसार सृजे गए थे

भगवान ने उस आदमी से कहा, ""तू बाटिका के किसी भी वृक्ष का फल खाने को स्वतंत्र है; परन्तु भले या बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है उसका फल तू कभी न खाना, क्योंकि जब तू उसका फल खाएगा तो निश्चय मर जाएगा ।

और हव्वा ने आदम को एक और दिया।
एडम ने भी इसे खाया।

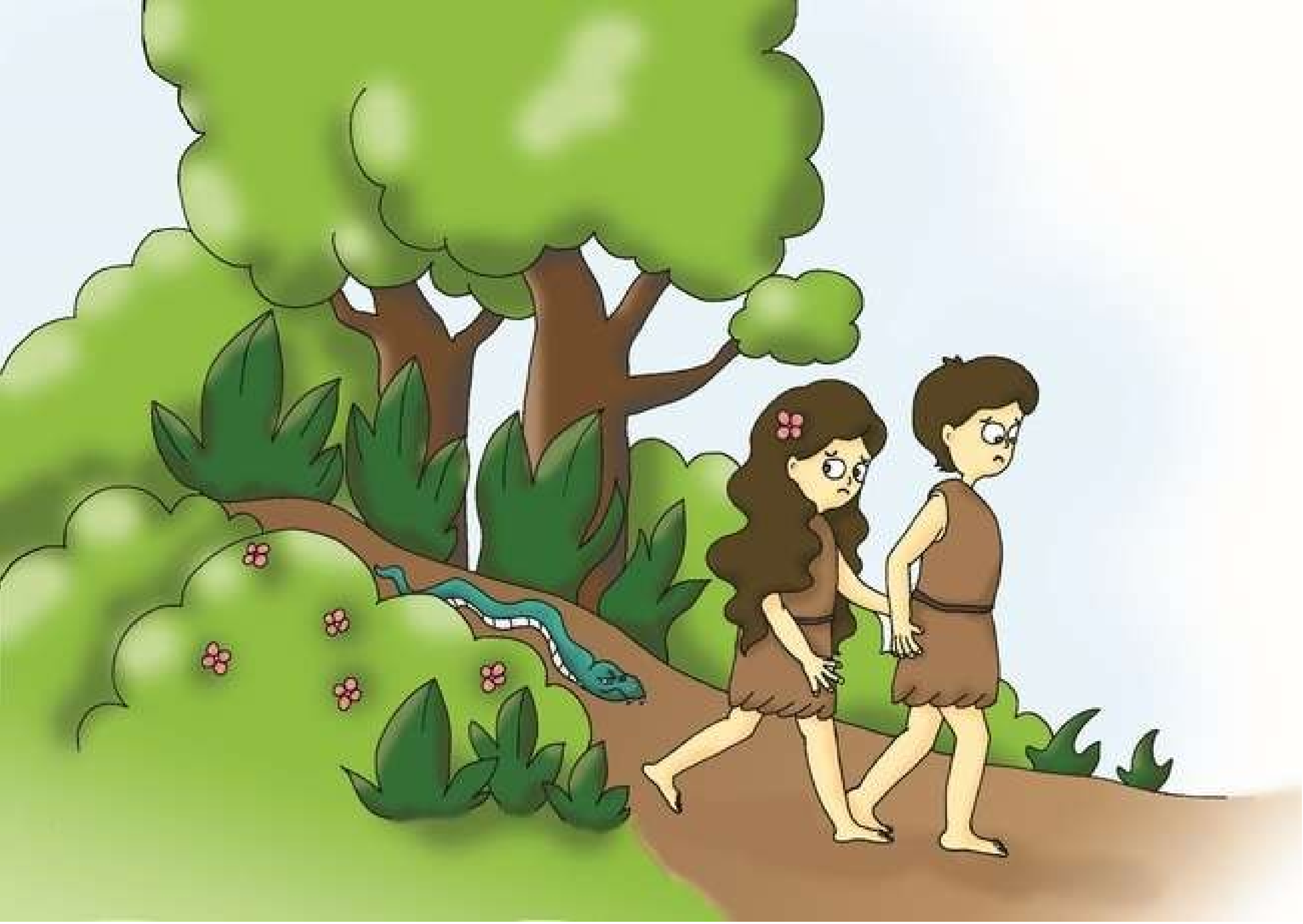

परमेश्वर ने उन्हें अदन से बाहर निकाल दिया क्योंकि उन्होंने परमेश्वर की बात नहीं मानी।

उस समय से पाप जगत में आया

आज का पाठ

पाप संसार में आया क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया।

क्या मैं परमेश्वर के वचन का पालन करता हूँ?
यदि मैं ईश्वर में विश्वास करता हूं, तो मुझे ईश्वर के वचन का पालन करना चाहिए।

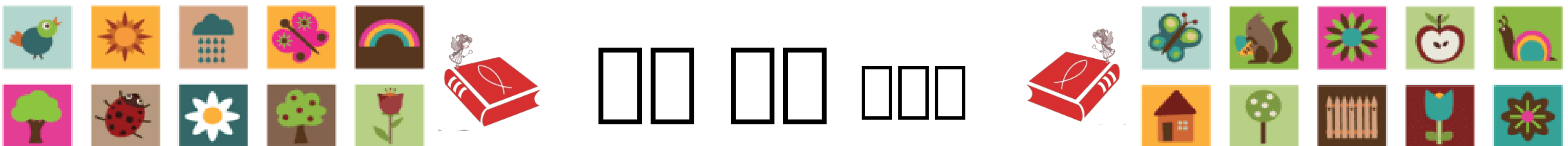

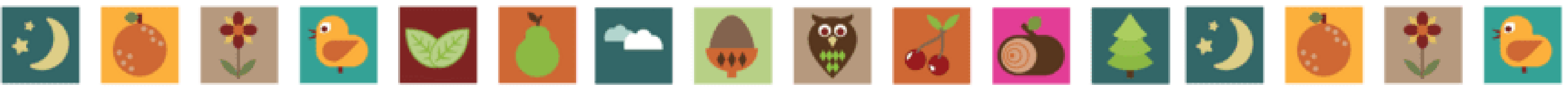

भगवान है?

ईश्वर..

अवज्ञा को नापसंद करता है.
उस मनुष्य को आशीर्वाद देता है जो उसके वचन का पालन करता है।

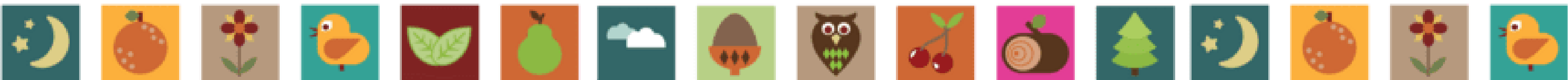

आज की प्रश्नोत्तरी

परमेश्वर ने मानवजाति को क्या न खाने को कहा ?

① फल

② मांस

③ सब्जी

④ अच्छे और बुरे के ज्ञान का फल

आज का शब्द

परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, परमेश्वर ने अपने स्वरूप के अनुसार उसे उत्पन्न किया;
नर और नारी करके उसने उन्हें उत्पन्न किया।
उत्पत्ति 1:27

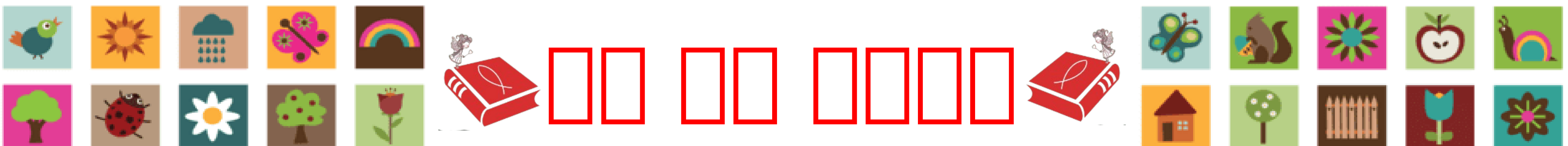

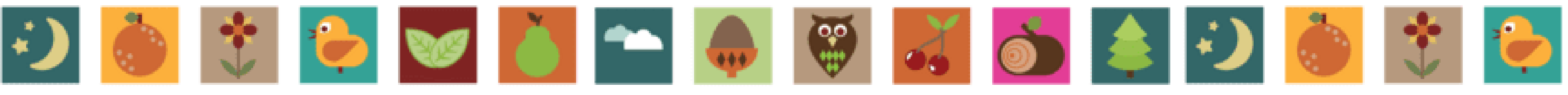

क्रमांक 3 परमेश्वर का वचन

नूह ने ऊँचे पर्वत पर एक बड़ा जहाज (एक सन्दूक) बनाया

Bible Kids

आज का शब्द

तब यहोवा ने नूह से कहा, तू अपने सारे परिवार समेत जहाज में जा, क्योंकि मैं ने इस पीढ़ी में तुझे धर्मी पाया है।

(उत्पत्ति 7:1)

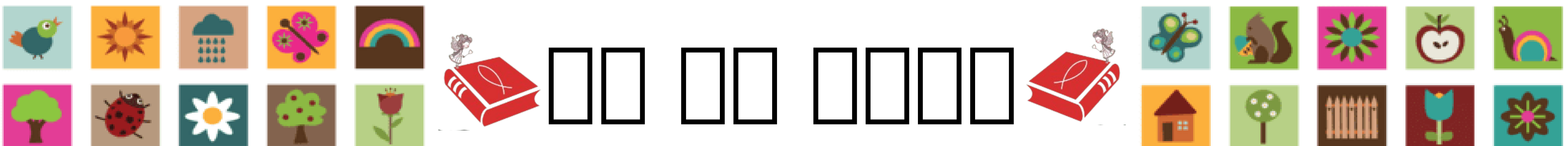

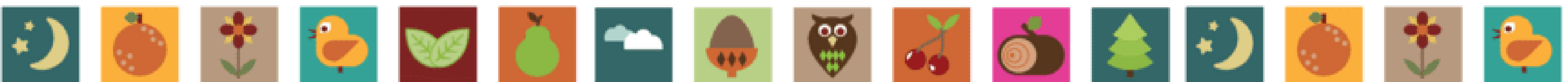

परमेश्वर ने देखा कि पृथ्वी पर सभी लोगों ने अपना आचरण भ्रष्ट कर लिया है। परमेश्वर ने नूह से कहा   , “मैं लोगों और पृथ्वी दोनों को नष्ट कर

दूँगा ☐ पहाड़ पर एक बड़ा जहाज बनाओ ।

नूह ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार पहाड़ पर
एक जहाज बनाना शुरू किया। लोगों को लगा कि वह

पागल है

नूह ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार नूह के परिवार के सदस्यों के साथ हर प्रकार के प्राणी

परमेश्वर के कहने के अनुसार चालीस दिन तक पृथ्वी पर वर्षा होती रही।

अन्त में पृथ्वी जल से ढँक गयी। पृथ्वी पर चलने वाली प्रत्येक जीवित वस्तु मर गई। केवल नूह और जहाज़ में उसके साथ रहने वाले लोग ही बचे थे।

आज का पाठ

लोगों ने नूह की बात नहीं मानी जिसने उन्हें बड़ी बाढ़ से बचने का मौका दिया।

उन्होंने केवल इतना कहा कि नूह पागल था

जब आप मित्रों को सुसमाचार सुनाते हैं , तो हो सकता है वे आपकी बात ठीक से न सुनें।

लेकिन , अंत में , उन्हें पता चलेगा कि परमेश्वर का वचन सत्य है

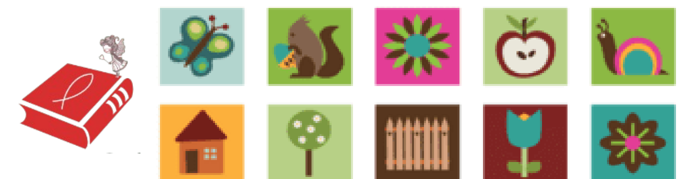

ईश्वर?

ईश्वर..
परमेश्वर पाप से घृणा करता है और पाप का न्याय करता है।

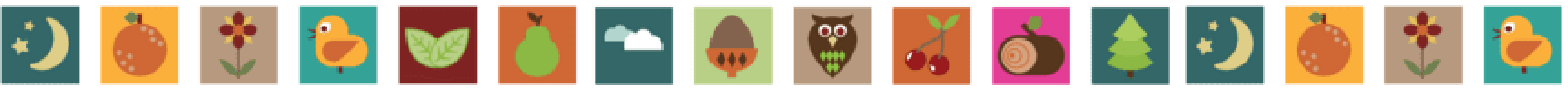

आज की प्रश्नोत्तरी

परमेश्वर ने नूह से क्या बनाने को कहा ?

① एक जहाज (एक सन्दूक)

② एक कार

③ एक घर

④ एक बाइक

आज का शब्द

तब यहोवा ने नूह से कहा, तू अपने सारे परिवार समेत जहाज में जा, क्योंकि मैं ने इस पीढ़ी में तुझे धर्मी पाया है।

उत्पत्ति 7:1

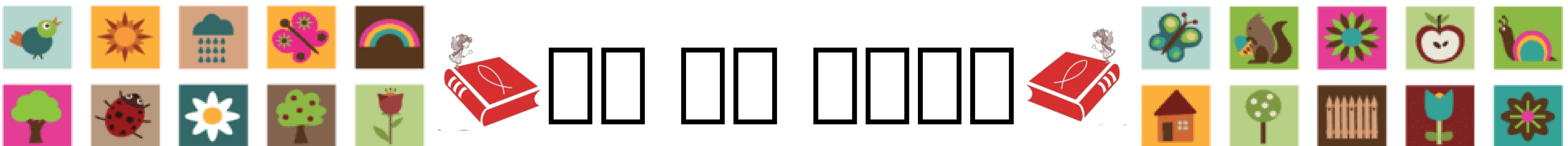

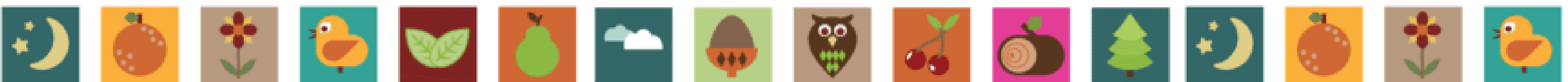

क्रमांक 4 परमेश्वर का वचन

इंद्रधनुष परमेश्वर की वाचा थी

Bible Kids

आज का शब्द

जब भी बादलों में इंद्रधनुष दिखाई देगा, मैं उसे देखूंगा और भगवान और पृथ्वी पर सभी प्रकार के सभी जीवित प्राणियों के बीच की शाश्वत वाचा को याद करूंगा।"

उत्पत्ति 9:16

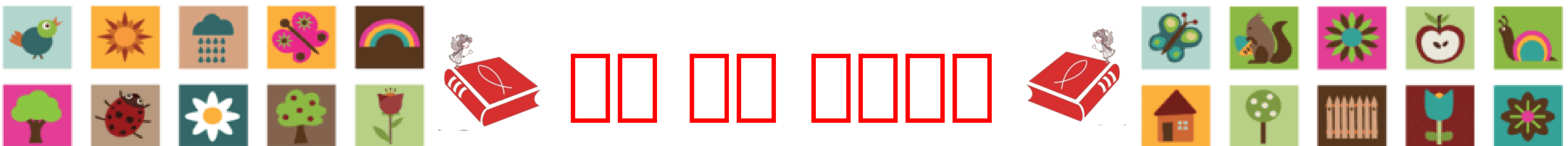

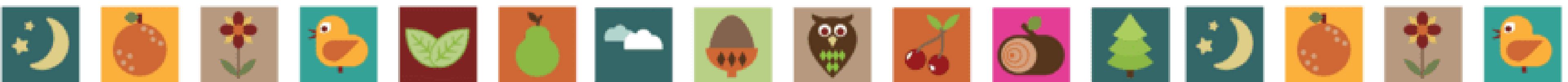

सभी जीवित चीज़ें नष्ट हो गईं , केवल नूह और उसके साथ जहाज़ में रहने वाले लोग ही बचे थे।

बारिश रुकने के बाद , नूह ने एक कबूतर उड़ाया। कबूतर अपनी चोंच में ताजा जैतून का पत्ता लेकर उसके पास लौट आया। नूह जानता था , “जल पृथ्वी पर से घट गया !”

नूह अपने परिवार के साथ बाहर आया , और परमेश्वर
की आराधना की। "हमें नई दुनिया देने के लिए

परमेश्वर ने उसे वाचा और आशीर्वाद के चिन्ह के रूप में एक इंद्रधनुष दिखाया। "नई दुनिया में खुशी से रहो !"

आज का पाठ

भगवान ने नूह और उसके परिवार को बचा लिया है।

परमेश्वर ने वादा किया कि वह उन्हें आशीर्वाद देगा और उनके माध्यम से एक नई दुनिया बनायेगा।

परमेश्वर ने भी हमें यीशु के द्वारा बचाया है।

हमें विश्वास करना होगा कि भगवान हमारे माध्यम से अपनी नई दुनिया बनाएंगे ।

यहोवा परमेश्वर ?

यहोवा परमेश्वर ..

यहोवा परमेश्वर हमारा पिता है जो अपने प्यारे बच्चों को बचाता है और बहुतायत से आशीर्वाद देता है जब हम उस पर विश्वास करते हैं।

आज की प्रश्नोत्तरी

पृथ्वी सूख गई है यह देखने के लिए नूह ने क्या भेजा ?

① ईगल

② गौरैया

③ कबूतर

④ बत्तख

आज का शब्द

जब भी बादलों में इंद्रधनुष दिखाई देगा, मैं उसे देखूंगा और भगवान और पृथ्वी पर सभी प्रकार के सभी जीवित प्राणियों के बीच की शाश्वत वाचा को याद करूंगा।"

उत्पत्ति 9:16

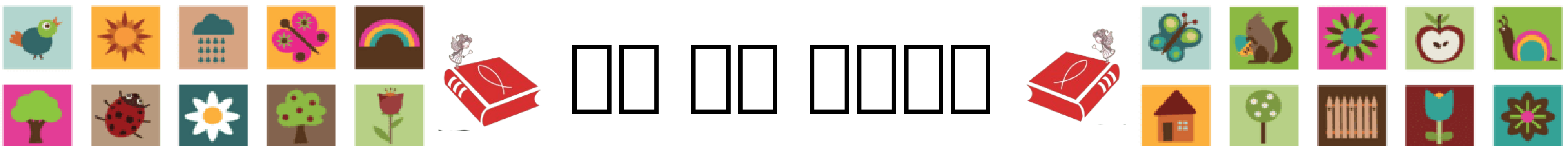

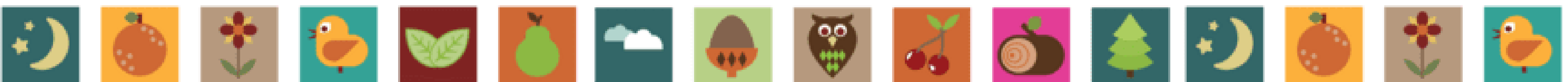

पाँच नंबर शब्द का
ईश्वर

जिन लोगों ने निर्माण किया बाबेल की मीनार

आज का शब्द

इसीलिए इसे बाबेल कहा गया-- क्योंकि वहाँ यहोवा ने भ्रमित किया था
सारी दुनिया की भाषा. वहाँ से यहोवा ने उन्हें तितर-बितर कर दिया
सारी पृथ्वी के ऊपर.

उत्पत्ति 11:9

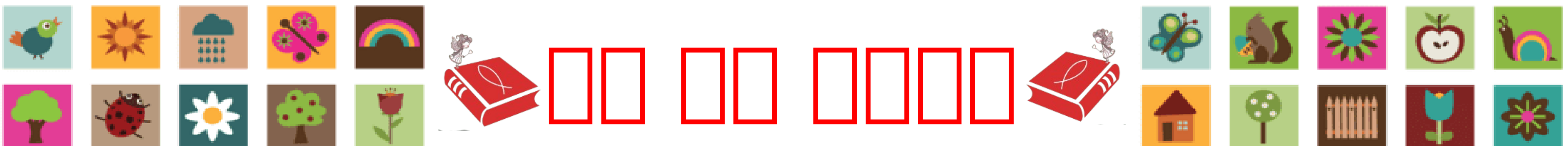

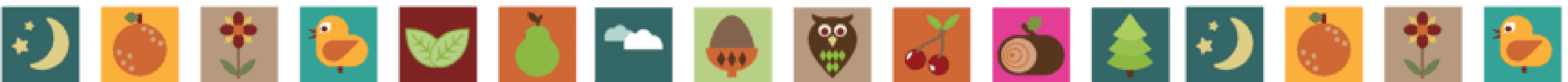

लोग परमेश्वर से भी महान और अधिक प्रसिद्ध
होना चाहते थे। इसलिए , उन्होंने एक ऊंचा टावर

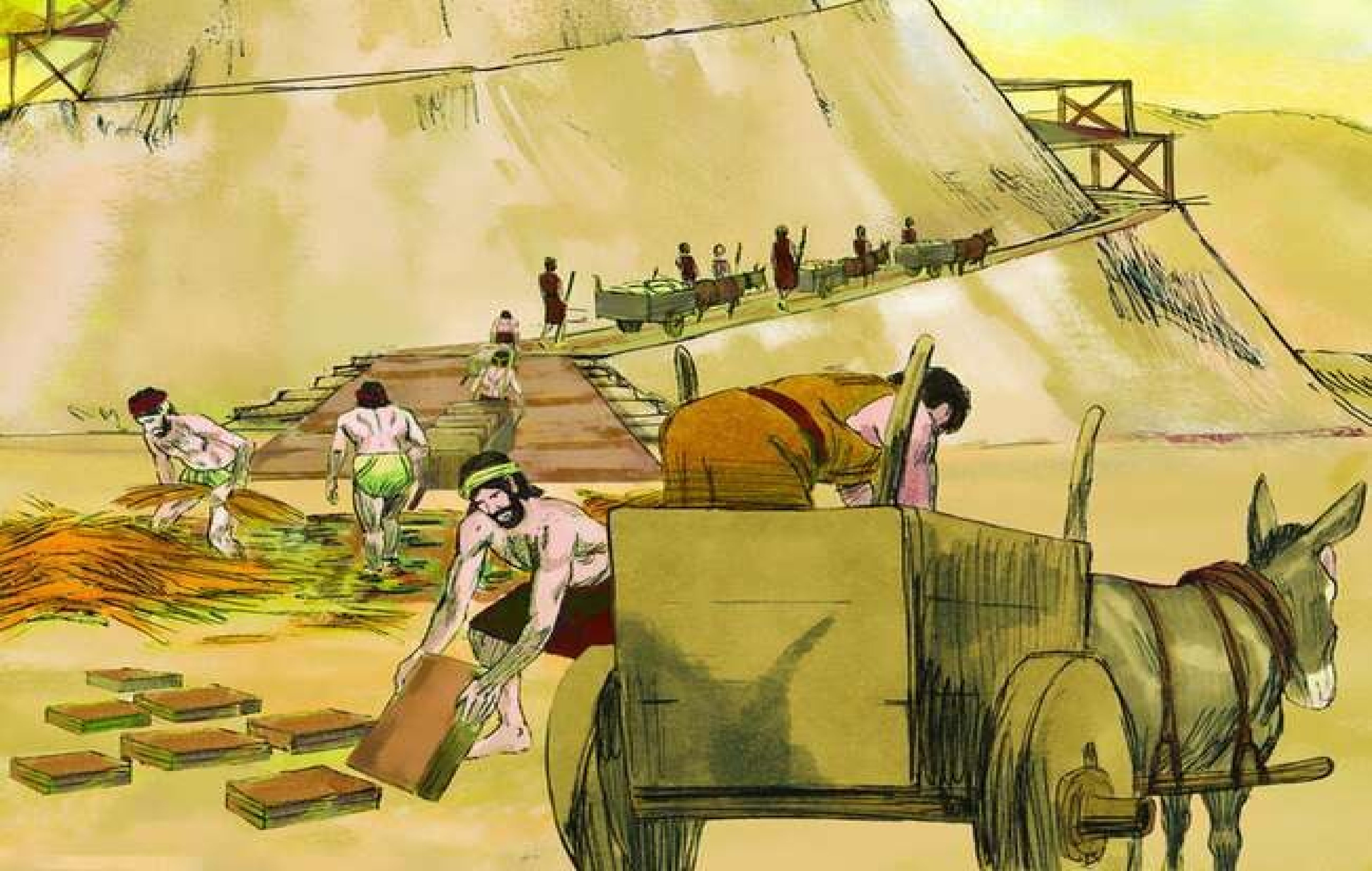

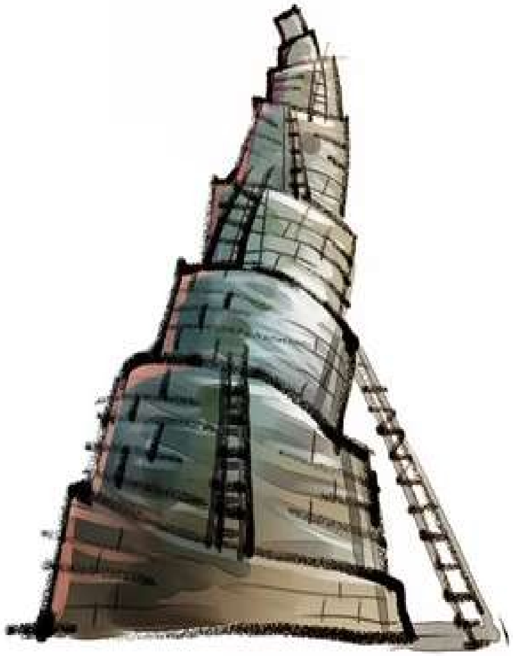

हालाँकि , जब परमेश्वर ने उनका अहंकार देखा , तो उसने उनकी भाषा में गड़बड़ी कर दी ताकि वे एक -

चूँकि वे एक -दूसरे को समझ नहीं पाते थे , इसलिए वे एक साथ काम नहीं कर पाते थे। आख़िरकार , वे पृथ्वी पर बिखर गये। अभी तक विश्व की भाषाएँ एक -दूसरे से भिन्न हैं।

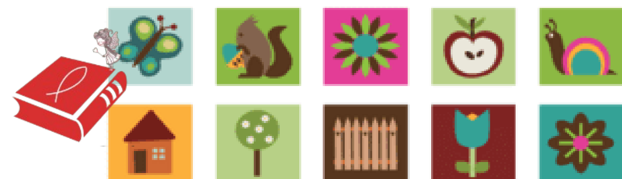

आज का पाठ

लोग ईश्वर से भी महान और ऊंचा बनना चाहते हैं।
इस मन को "अहंकार" कहा जाता है। भगवान को 'अहंकार' से नफरत है. अहंकार का विपरीत है 'विनम्रता'।
हमें परमेश्वर को प्रसन्न करने के लिए उसके सामने 'विनम्र' होना चाहिए।

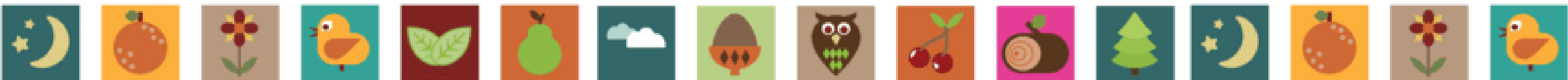

यहोवा परमेश्वर?

यहोवा परमेश्वर..

यहोवा परमेश्वर हम से महान और बुद्धिमान है।

भले ही हम अपनी सारी बुद्धि एक साथ जोड़ दें, फिर भी हम ईश्वर से अधिक बुद्धिमान नहीं हो सकते।

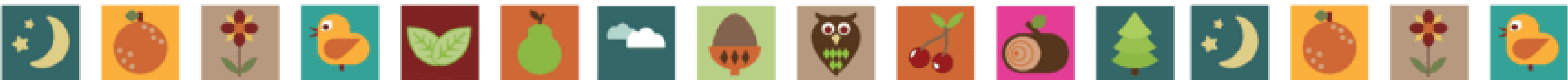

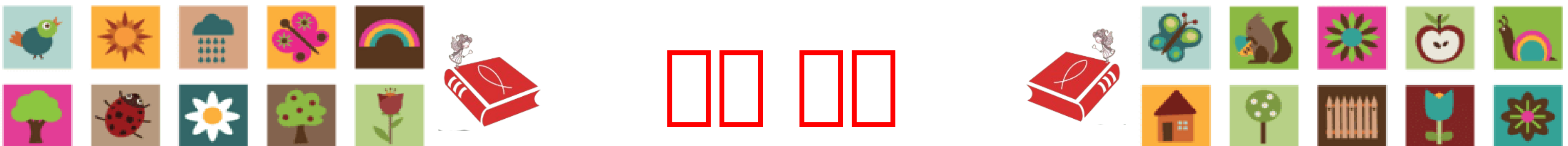

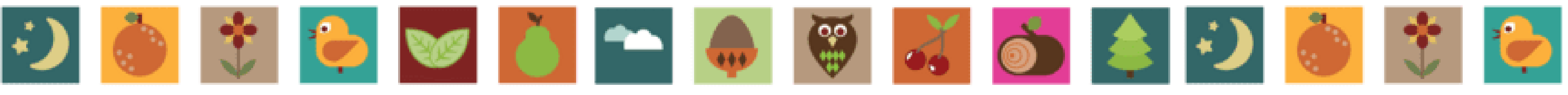

आज का शब्द

इसीलिए इसे बाबेल कहा गया-- क्योंकि वहाँ यहोवा ने भ्रमित किया था
सारी दुनिया की भाषा. वहाँ से यहोवा ने उन्हें तितर-बितर कर दिया
सारी पृथ्वी के ऊपर.

उत्पत्ति 11:9

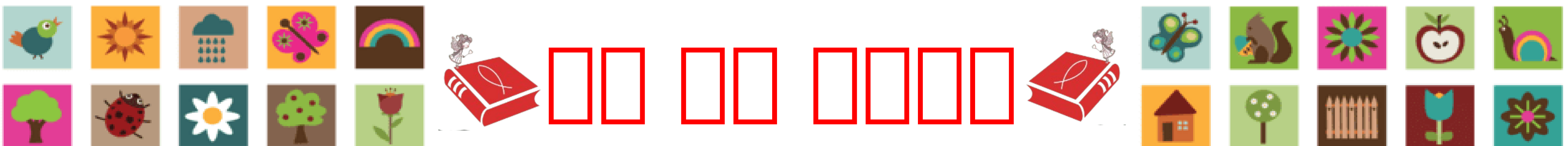

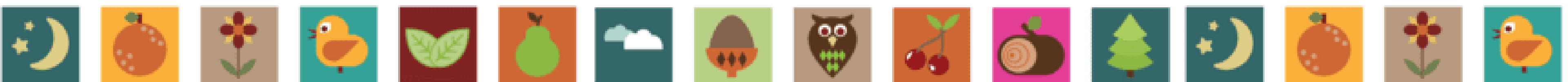

क्रमांक 6 परमेश्वर का वचन

परमेश्वर ने इब्राहीम को बुलाया

Bible Kids

आज का शब्द

यहोवा ने अब्राम से कहा था, अपने देश, अपनी प्रजा और अपने लोगों को छोड़ दे
पिता के घराने में जाओ, और उस देश में जाओ जो मैं तुम्हें दिखाऊंगा।

उत्पत्ति 12:1

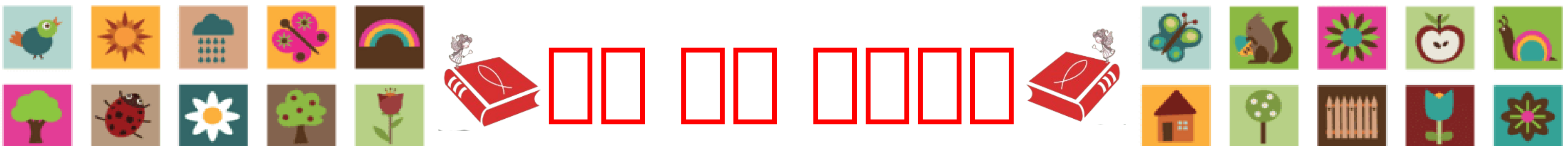

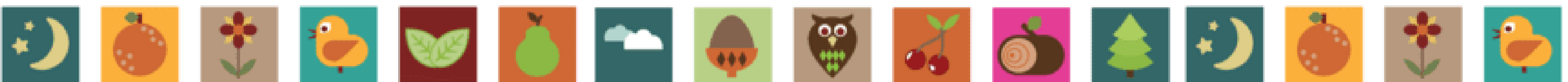

कसदियों का उर मूर्तिपूजक नगर था।
इब्राहीम का जन्म और वहीं रहना हुआ।

एक दिन , यहोवा परमेश्वर ने उससे कहा , "अपना देश छोड़ दे , और मैं तुझे आशीर्वाद दूंगा। "

हालाँकि इब्राहीम को नहीं पता था कि कहाँ जाना है , उसने परमेश्वर के वचन का पालन किया और जैसा

यात्रा के दौरान उन्हें कई कठिन परिस्थितियों
का सामना करना पड़ा , लेकिन भगवान ने उन्हें

अंत में, इब्राहीम कनान देश में पहुंचा। वह वहीं रहता था. "भगवान को धन्यवाद।"

आज का पाठ

इब्राहीम ने परमेश्वर के वचन का पालन करते हुए अपना गृहनगर छोड़ दिया।

इस तरह , हम भगवान पर विश्वास करना चाहिए और उनके वचन का पालन करना चाहिए।

हमें किसी भी समय परमेश्वर के वचन का पालन करने की इच्छा रखनी चाहिए

यहोवा परमेश्वर है ?

यहोवा ईश्वर ...।

वह हमारे पिता हैं जो किसी भी कीमत पर अपना वादा निभाते हैं।

आज की प्रश्नोत्तरी

इब्राहीम का जन्म कहाँ हुआ था ?

① कनान

② हारान

③ इज़राइल _

④ कसदियों का उर

आज का शब्द

यहोवा परमेश्वर ने अब्राम से कहा था, “अपना देश, अपनी प्रजा और अपने पिता के घराने को छोड़कर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊंगा।”

उत्पत्ति 12:1

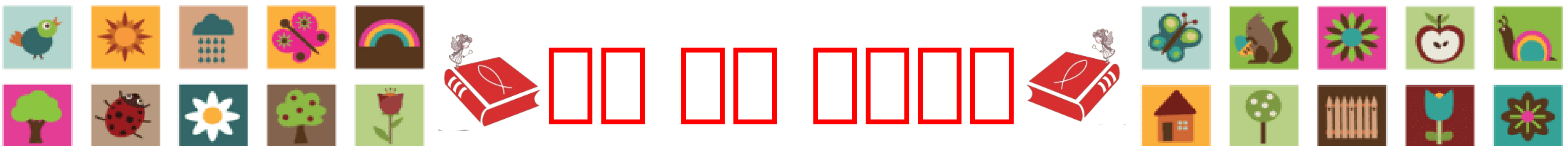

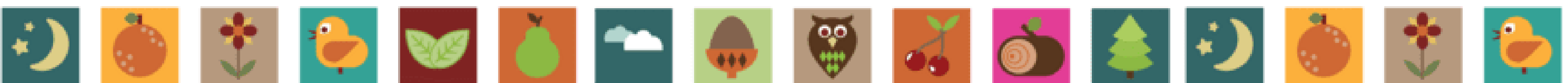

क्रमांक 7 परमेश्वर का वचन

इसहाक , वादा किया हुआ बेटा

Bible Kids

आज का शब्द

इब्राहीम सौ वर्ष का था जब उसके पुत्र इसहाक का जन्म हुआ।

उत्पत्ति 21:5

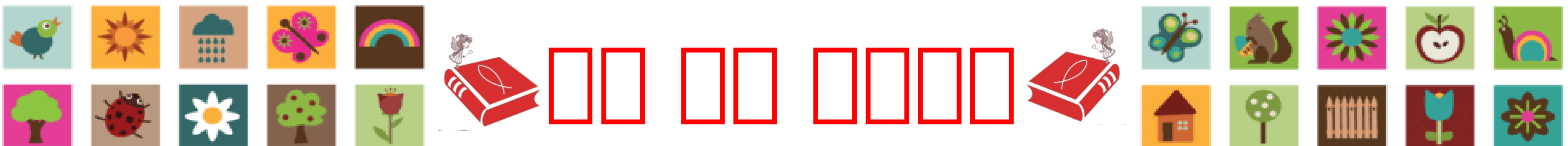

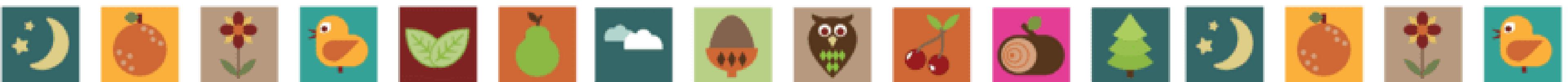

परमेश्वर ने इब्राहीम से वादा किया था कि परमेश्वर उसे रात के आकाश में तारों के बराबर संतान देगा। लेकिन , 100 साल की उम्र तक उनकी कोई संतान नहीं हुई □

“तुम्हारे बच्चे आकाश के तारों और समुद्र के किनारे की बालू के समान बहुत होंगे। ” इब्राहीम

भगवान ने अपना वादा निभाया . सारा ने इब्राहीम से एक पुत्र को जन्म दिया। इब्राहीम ने इसहाक नाम दिया

जिसका अर्थ है खुशी

आज का पाठ

इब्राहीम को वास्तव में परमेश्वर
के वादे पर विश्वास था , भले ही यह
उसे असंभव लग रहा था।
जब परमेश्वर ने इब्राहीम का
विश्वास देखा तो वह बहुत प्रसन्न
हुआ। परमेश्वर ने उसे वादा किया
हुआ पुत्र इसहाक दिया।
ईश्वर निश्चित रूप से अपना वादा
पूरा करते हैं , भले ही यह हमारे
लिए असंभव लगता हो

भगवान है ...

सर्वशक्तिमान (सब कुछ करने में सक्षम)

आज की प्रश्नोत्तरी

जब इसहाक पैदा हुआ तो इब्राहीम की उम्र कितनी थी ?

①90 _

②80 _

③70 _

④ 100

आज का शब्द

इब्राहीम सौ वर्ष का था जब उसके पुत्र इसहाक का जन्म हुआ।

(उत्पत्ति 21:5)

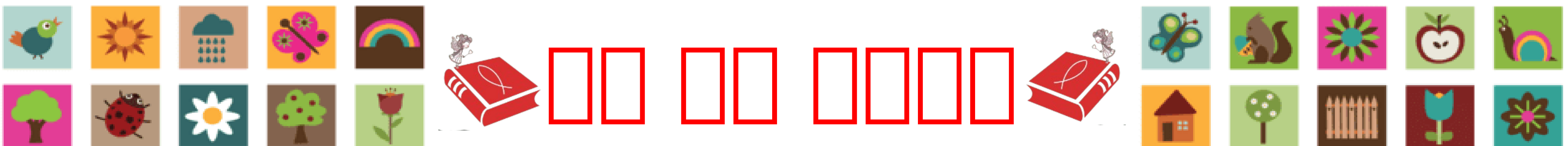

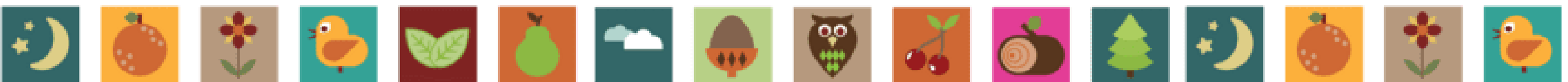

क्रमांक 8 परमेश्वर का वचन

इब्राहीम ने इसहाक को परमेश्वर को अर्पित किया

Bible Kids

आज का शब्द

तब परमेश्वर ने कहा, अपने पुत्र अर्थात अपने एकलौते पुत्र इसहाक को, जिस से तू प्रेम रखता है, ले ले।
और मोरिया के क्षेत्र में जाओ. उसे वहीं होमबलि करके चढ़ाना पहाड़ों में से एक के बारे में मैं तुम्हें बताऊंगा।

उत्पत्ति 22:2

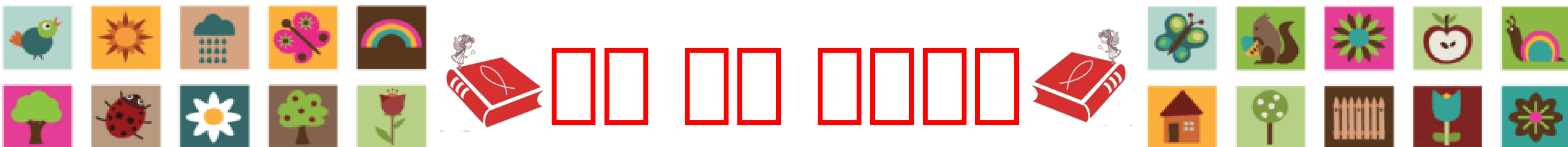

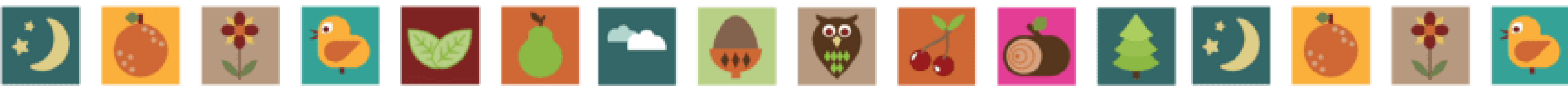

एक दिन , परमेश्वर ने इब्राहीम से कहा ,
“अपना एकलौता पुत्र मुझे होमबलि के रूप में
अर्पित कर ।”

इब्राहीम इसहाक से इतना प्रेम करता था कि जब
उसने परमेश्वर से सुना तो वह कठोर हो गया।

लेकिन उसने परमेश्वर की आज्ञा मानने का फैसला

इब्राहीम ने इसहाक को बाँधकर कुर्सी पर लिटा
दिया , और उसे मार डालना चाहा। उसी क्षण में ,

“इब्राहीम , इब्राहीम , उसे मत मारो। उसके साथ कुछ मत करो . अब, मैं जानता हूं कि तुम परमेश्वर से डरते हो और उससे प्रेम करते हो। ” यह वह परीक्षा थी जो परमेश्वर ने इब्राहीम के लिये की

"भगवान को धन्यवाद !" परमेश्वर ने इब्राहीम के
विश्वास को सहर्ष स्वीकार कर लिया। परमेश्वर ने
उसे सभी विश्वासियों का पूर्वज बनाया

आज का पाठ

इब्राहीम इसहाक से बहुत प्यार करता था, लेकिन उसके लिए परमेश्वर के वचन का पालन करना अधिक महत्वपूर्ण था।

मुझे किसी भी अन्य वस्तु से अधिक, और दुनिया के किसी भी अन्य व्यक्ति से अधिक ईश्वर से प्रेम करना चाहिए।

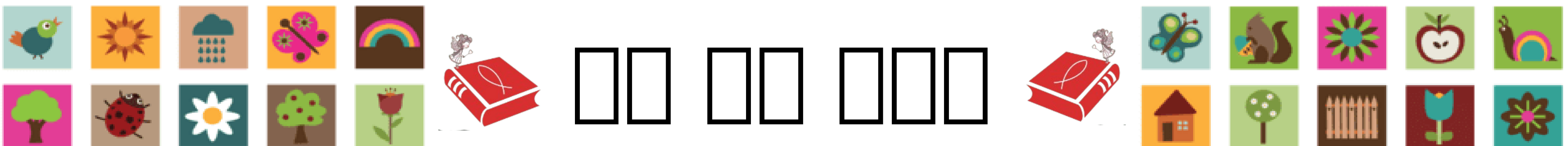

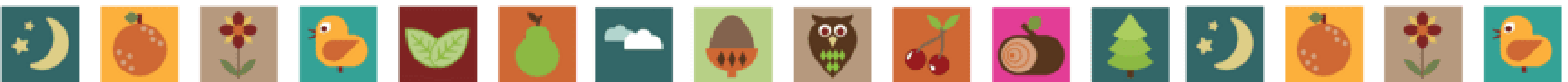

भगवान है ?

भगवान है ..

हमारे पिता जो परीक्षण के माध्यम से हमारे विश्वास को मजबूत बनाते हैं।

आज का प्रश्नोत्तरी

परमेश्वर ने इब्राहीम से होमबलि के रूप में क्या चढ़ाने को कहा ?

① बेटा

② पत्नी

③ कुत्ता

④ भेड़

आज का शब्द

तब परमेश्वर ने कहा, अपने पुत्र अर्थात अपने एकलौते पुत्र इसहाक को, जिस से तू प्रेम रखता है, ले ले।
और मोरिया के क्षेत्र में जाओ. उसे वहीं होमबलि करके चढ़ाना पहाड़ों में से एक के बारे में मैं तुम्हें बताऊंगा।

उत्पत्ति 22:2

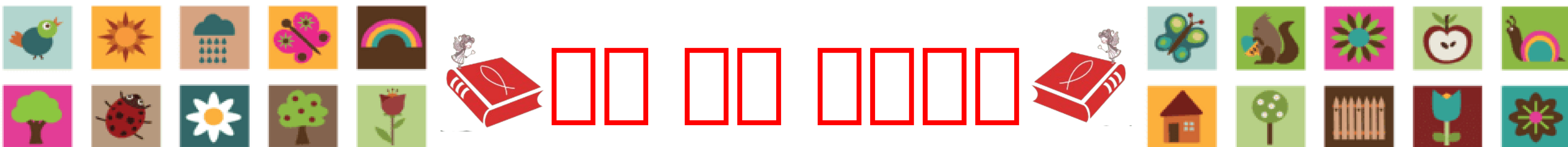

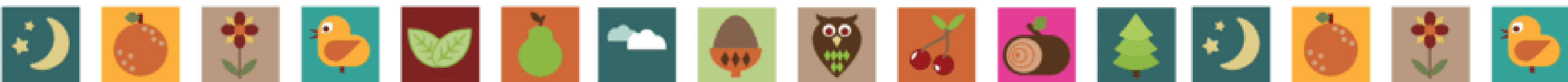

सं .9 शब्द का ईश्वर

इसहाक ने झगड़ा नहीं किया

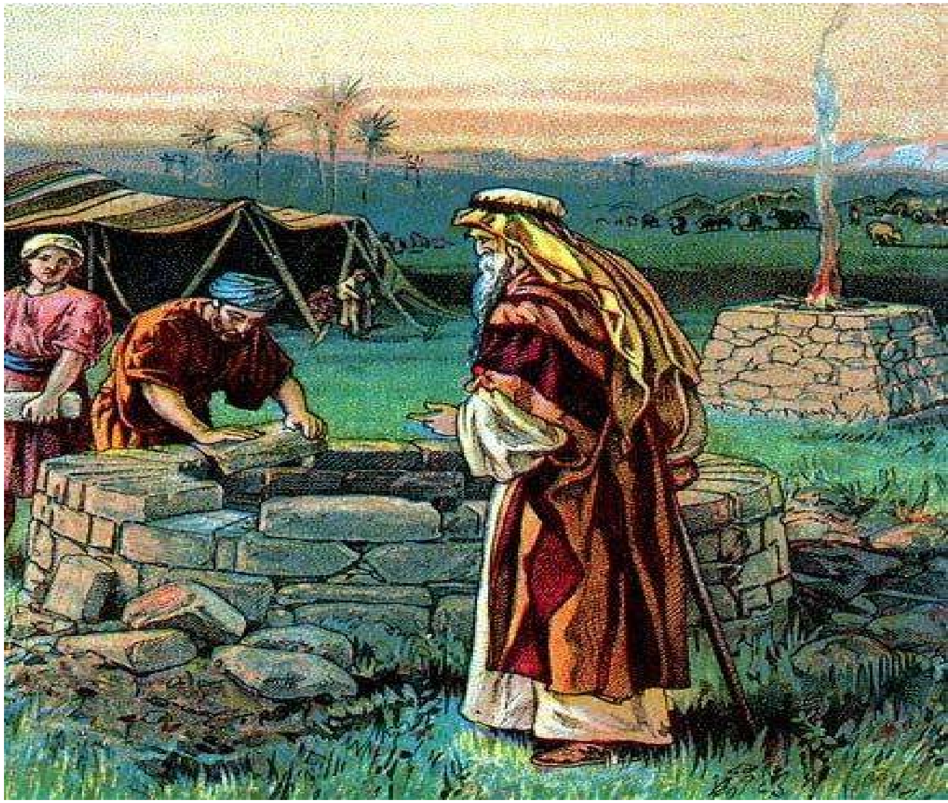

Bible Kids

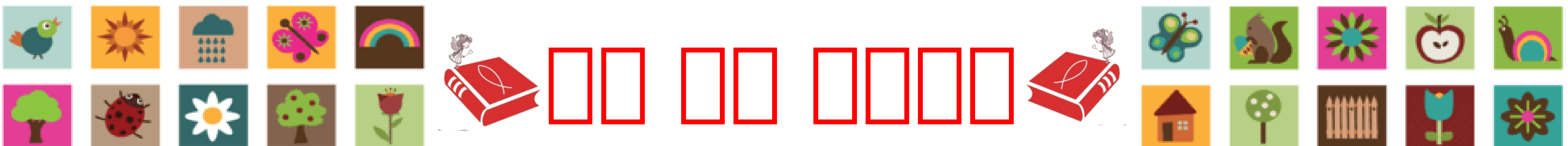

26: 22

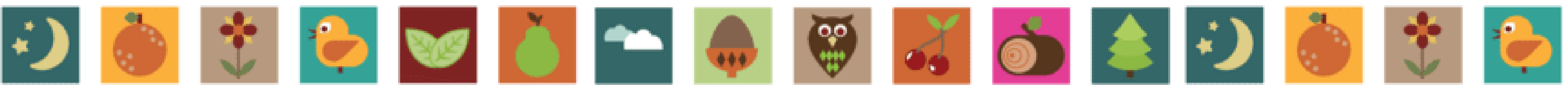

कुओं थे इसलिए महत्वपूर्ण, क्योंकि वे सकना पाना ताजा पानी रेत में। इसहाक को अपने पिता से विरासत में मिले कुएँ मिले थे।

हालाँकि, पलिश्ती उससे ईर्ष्या करते थे। इसलिए, उन्होंने कुओं को मिट्टी से भर दिया।

परन्तु इसहाक ने उन से झगड़ा नहीं किया। वह दूर चला गया और कुआँ खोदा। उन्होंने ताजे पानी का

इस समय, अन्य लोगों ने इसहाक से कुआँ ले लिया।
लेकिन , उन्होंने उनसे झगड़ा भी नहीं किया .

परमेश्वर ने इसहाक को आशीर्वाद दिया। उसने फिर एक और कुआँ खोदा। भगवान ने उसे वहाँ से ताज़ा पानी दिया। इसहाक ने एक बदलाव किया और धन्यवाद भेंट दी।

आज का पाठ

इसहाक ने उन लोगों से झगड़ा नहीं किया जिन्होंने उसके कुएं छीन लिये।

परमेश्वर ने इसहाक को आशीर्वाद दिया।

हमें भी दूसरों से झगड़ा नहीं करना है .

हमें दूसरों से प्रेम करना होगा

और उन्हें क्षमा करना होगा

भगवान है??

ईश्वर …।

वह उन लोगों से नफरत करता है जो दूसरों से झगड़ते हैं।

वह उनसे प्रेम करता है जो एक दूसरे से प्रेम करते हैं।

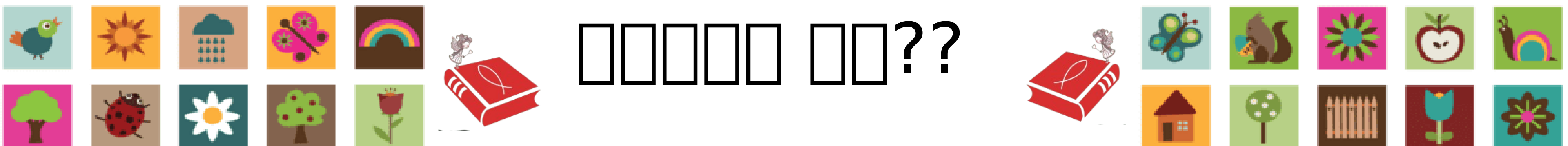

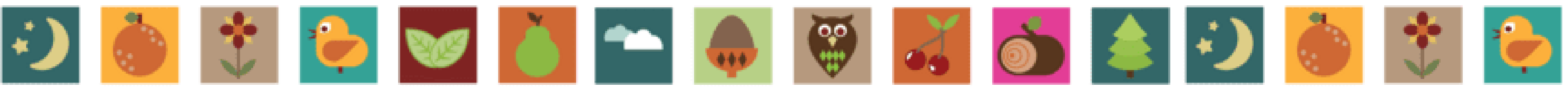

आज की प्रश्नोत्तरी

इसहाक को किस कारण कठिन समय सहना पड़ा ?

①घर _

② मेमना

③ ठीक है

④ परिवार

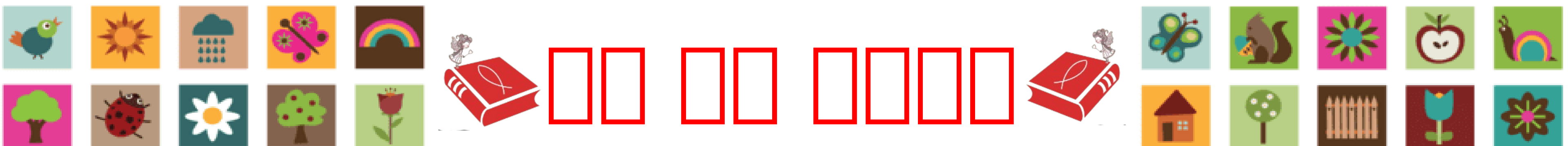

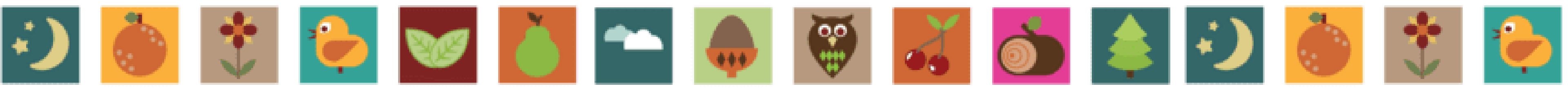

नं .10 शब्द का ईश्वर

एसाव ने पहिलौठे का अधिकार बेच दिया लाल स्टू की एक कटोरी के लिए

Bible Kids

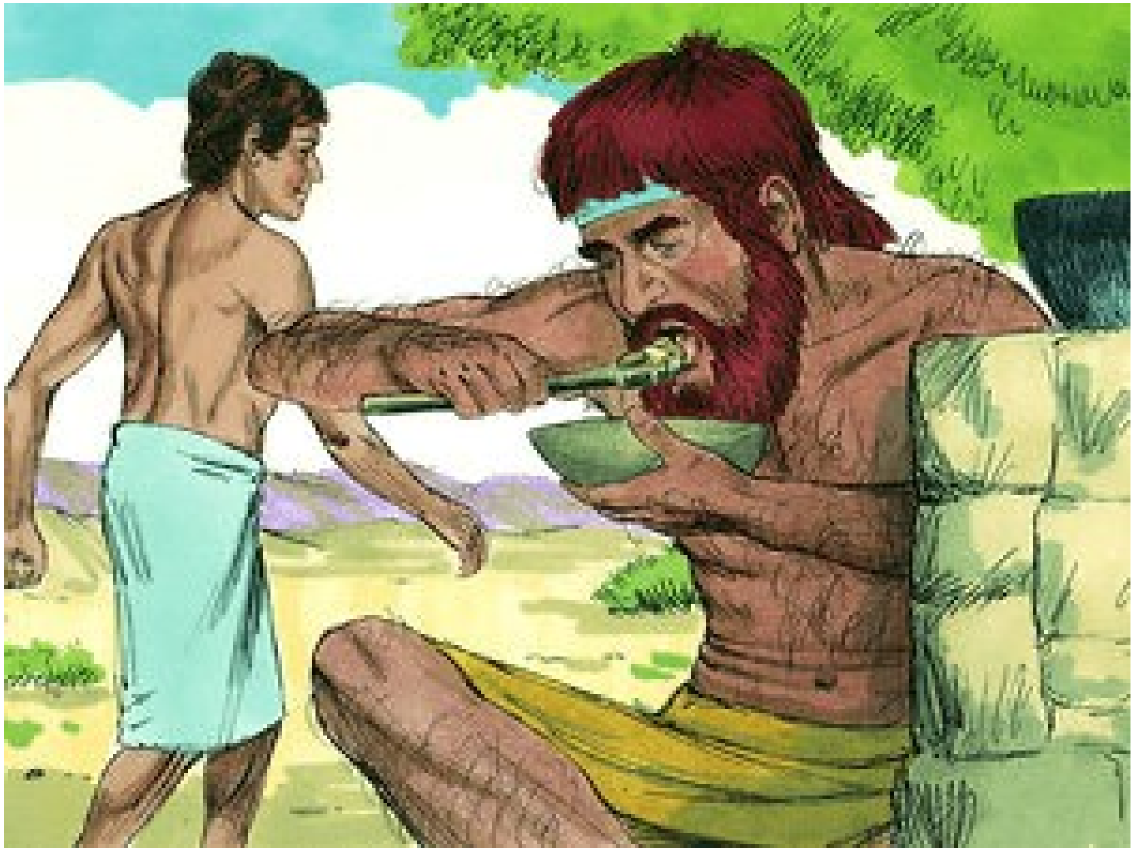

आज का शब्द

तब याकूब ने एसाव को कुछ रोटी और कुछ मसूर की दाल दी।
उसने खाया-पीया, और फिर उठकर चला गया।
इसलिये एसाव ने अपने पहिलौठे के अधिकार का तिरस्कार किया।

उत्पत्ति 25:34

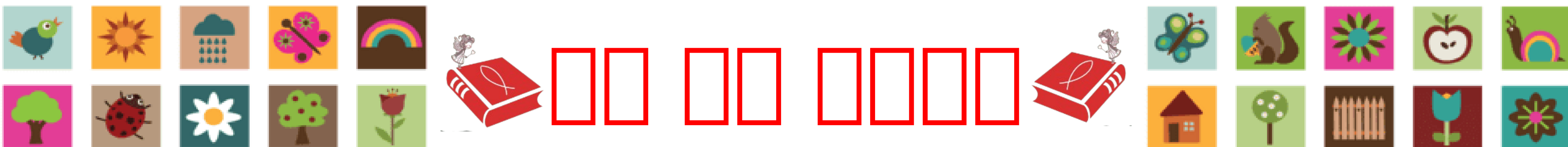

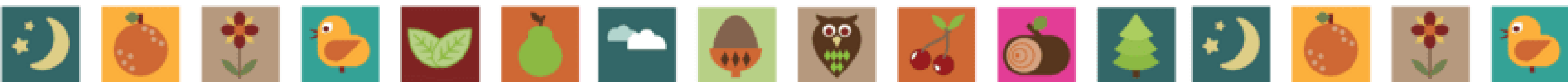

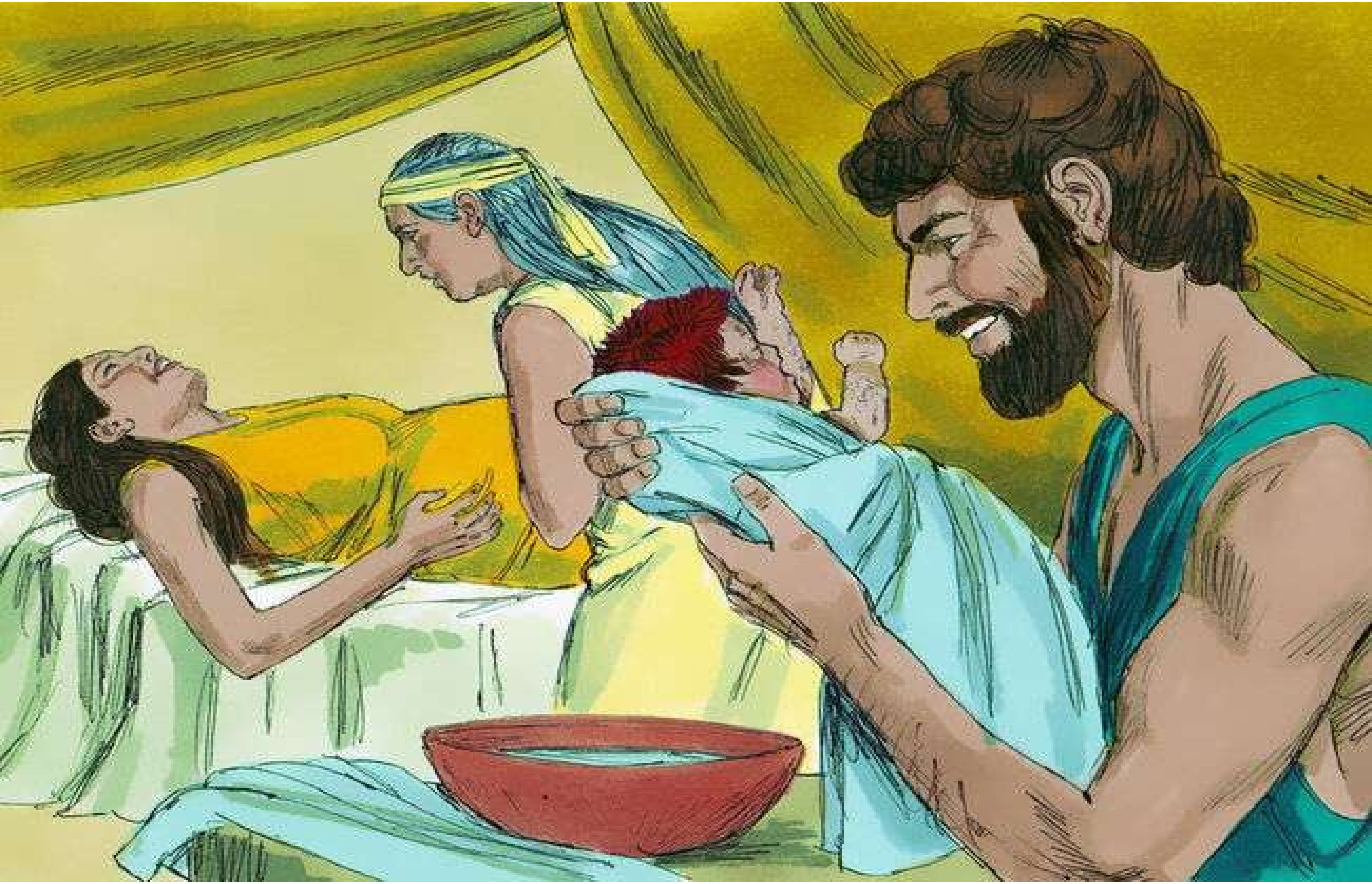

इसहाक की पत्नी रिबका ने जुड़वाँ बच्चों को
जन्म दिया। पहले बेटे का नाम एसाव और दूसरे का

एसाव को शिकार करना पसंद था। इसलिए , उन्हें
बाहरी गतिविधियाँ पसंद थीं। लेकिन , जैकब घर पर

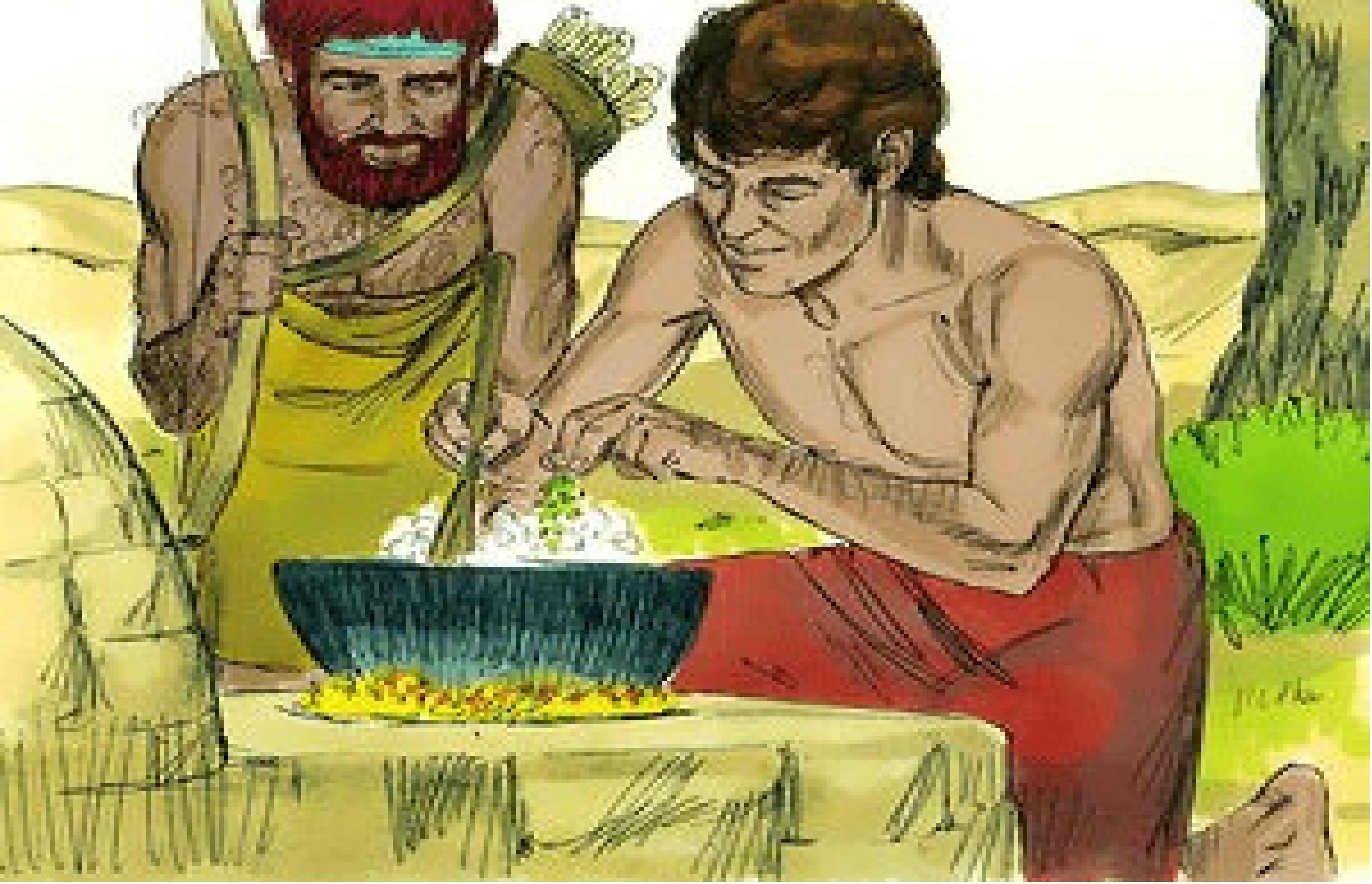

एक दिन , जब याकूब कुछ पका रहा था , एसाव शिकार के बाद भूखा घर वापस आया।

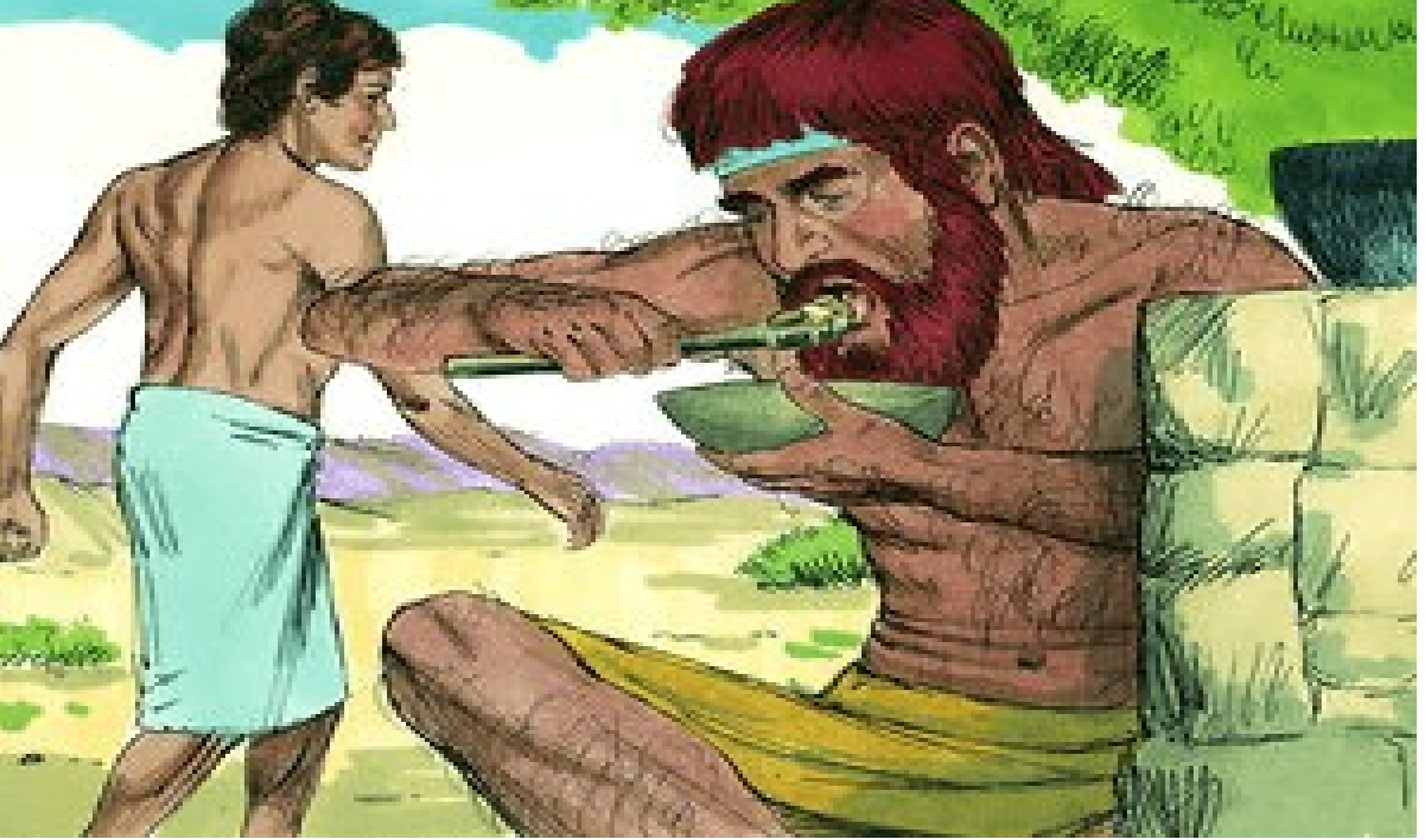

"मुझे कुछ स्टू दो !", "पहले मुझे अपना जन्मसिद्ध अधिकार बेचो। " फिर मैं तुम्हें कुछ दूँगा। ” एसाव इतना भूखा था कि उसने एक कटोरी लाल स्टू के लिए अपना जन्मसिद्ध

आख़िरकार, जैकब ने आशीर्वाद पाने के लिए अपने पिता को धोखा दिया। आख़िरकार उन्हें आशीर्वाद मिल ही गया. ये सभी चीज़ें ईश्वर की इच्छा से घटित हुईं।

आज का पाठ

एसाव ने सोचा कि आध्यात्मिक आशीर्वाद प्राप्त करने की तुलना में भूख की समस्या को हल करना अधिक महत्वपूर्ण है।
अंत में , याकूब बन गया इस्राएलियों के पूर्वज .

आप क्या अधिक महत्वपूर्ण समझते हैं ?

ईश्वर की संतान होने का आशीर्वाद

किसी भी चीज़ से बदला नहीं जा

भगवान है?

ईश्वर है

मनुष्य की त्रुटि और झूठ के बावजूद ईश्वर अपनी इच्छा पूरी कर रहा है।

आज का' प्रश्नोत्तरी

एसाव ने अपना पहिलौठे का अधिकार किसलिए बेच दिया ?

①नूडल _

② रोटी

③ मांस

④ लाल स्टू

आज का शब्द

तब याकूब ने एसाव को कुछ रोटी और कुछ मसूर की दाल दी।
उसने खाया-पीया, और फिर उठकर चला गया।
इसलिये एसाव ने अपने पहिलौठे के अधिकार का तिरस्कार किया।
उत्पत्ति 25:34

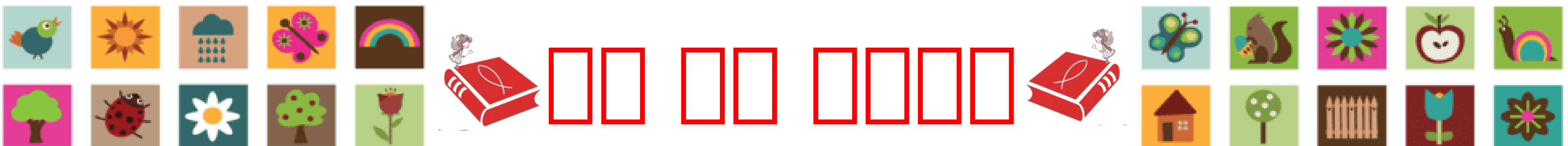

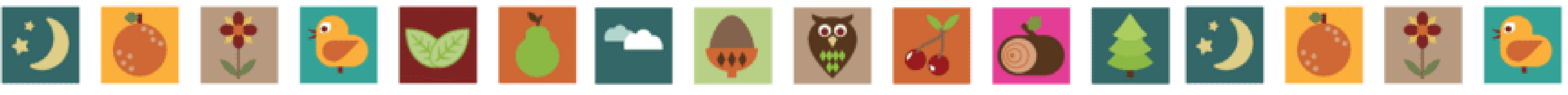

क्रमांक 11 परमेश्वर का वचन

जैकब का सपना

Bible Kids

आज का शब्द

उसने एक सपना देखा जिसमें उसने एक सीढ़ी धरती पर टिकी हुई देखी, जिसका शीर्ष स्वर्ग तक पहुंच रहा था, और भगवान के स्वर्गदूत उस पर चढ़ और उतर रहे थे।

उत्पत्ति 28: 12

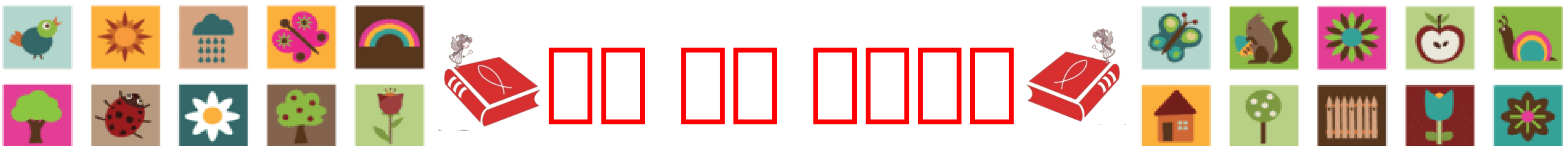

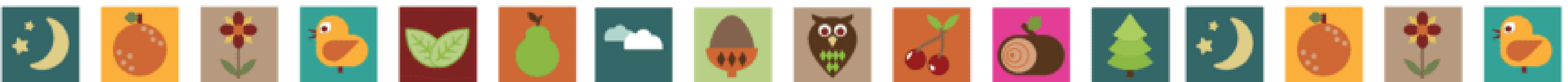

याकूब ने झूठ बोलकर अपने भाई को धोखा दिया। उसे मारे जाने का डर था. इसलिए, वह घर से हारान में अपने चाचा के पास भाग गया।

रात को वह वहां एक पत्थर ले गया और उसे तकिये के रूप में अपने सिर के नीचे रखकर सो गया। वह वहां परिवार के बिना अकेला था। इसलिए वह डरता था और अकेलापन महसूस करता था

याकूब ने परमेश्वर के स्वर्गदूतों को पृथ्वी
पर स्वर्ग की ओर एक सीढ़ी से चढ़ते और उतरते

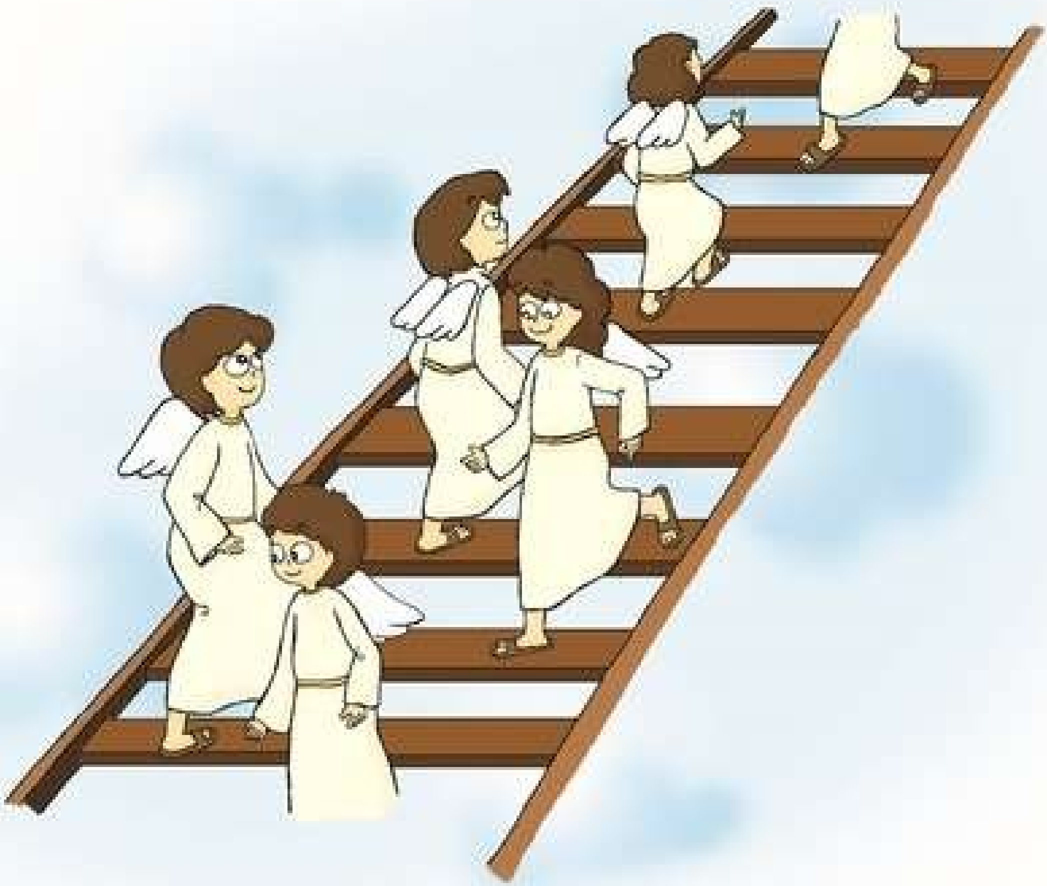

उसने भगवान की आवाज सुनी , "मैं तुम्हारे साथ हूं
और तुम जहां भी जाओगे , मैं तुम्हारी निगरानी

जब वह सुबह उठा, तो उसने परमेश्वर की आराधना की जिसने वादा किया था कि वह उसके साथ रहेगा, और उसने परमेश्वर की महिमा की।

आज का पाठ

जैसे परमेश्वर याकूब के साथ था जो अकेले होने से डरता था,
जब हम अकेले होते हैं तो हमारे पिता परमेश्वर भी हमारी देखभाल करते हैं।
याकूब की तरह, हमें परमेश्वर का सम्मान और महिमा करनी चाहिए जो हमेशा हमारे साथ रहते हैं।

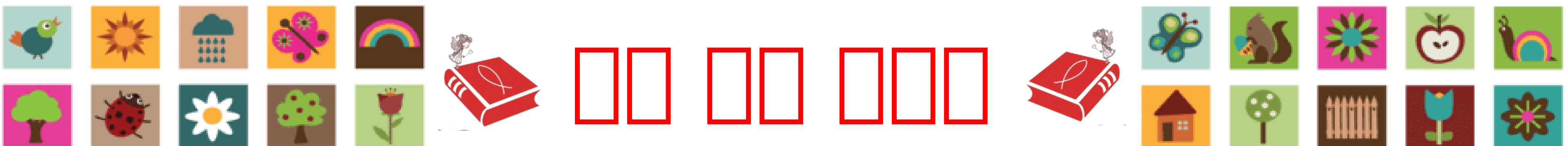

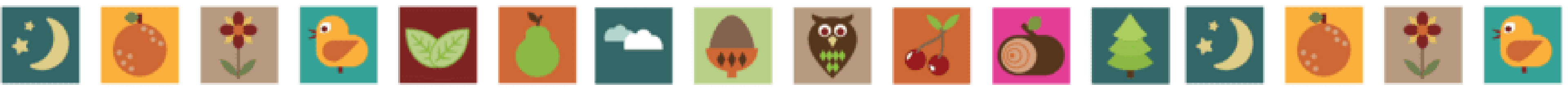

भगवान है?

ईश्वर

ईश्वर कहीं भी और कभी भी हमारे साथ है।
भगवान हमेशा हमारा ख्याल रख रहे हैं.

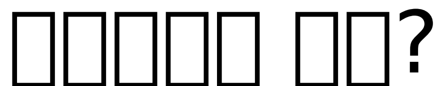

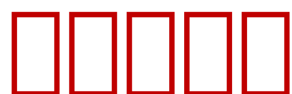

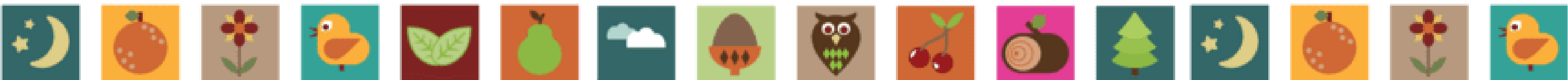

आज का प्रश्नोत्तरी

जब जैकब सो गया , तो उसने तकिये के रूप में क्या लिया ?

①लकड़ी _

② पत्थर

③ बैग

④ जानवर की खाल

आज का शब्द

उसने एक सपना देखा जिसमें उसने एक सीढ़ी धरती पर टिकी हुई देखी, जिसका शीर्ष स्वर्ग तक पहुंच रहा था, और भगवान के स्वर्गदूत उस पर चढ़ और उतर रहे थे।

उत्पत्ति 28: 12

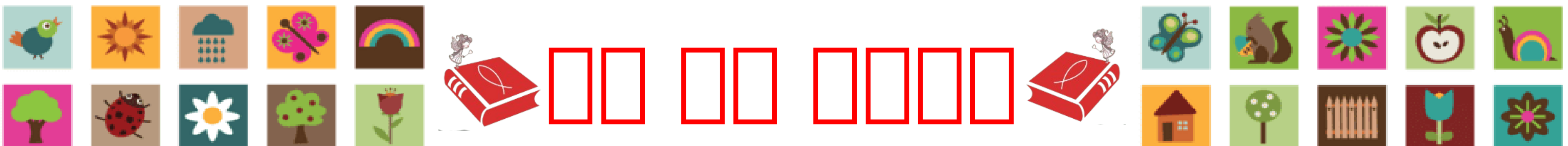

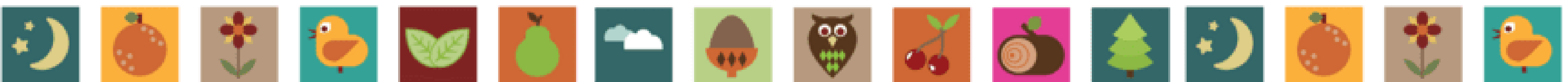

सं .12 शब्द का ईश्वर

जोसेफ को उसके भाइयों ने बेच दिया

Bible Kids

आज का शब्द

"अब आओ, हम उसे मार डालें और इन हौदों में से किसी एक में फेंक दें
और कहते हैं, कि कोई क्रूर जानवर उसे खा गया।
फिर हम देखेंगे कि उसके सपनों का क्या होता है।"

(उत्पत्ति 37:20)

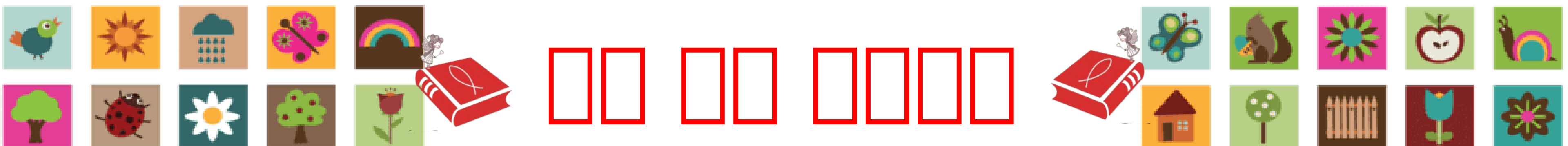

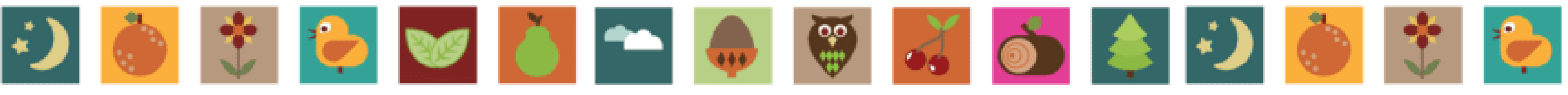

याकूब के बारह पुत्र थे। वह यूसुफ को अपने अन्य पुत्रों से अधिक प्यार करता था। इसलिए, उसने यूसुफ के लिए एक अत्यंत सुंदर कपड़ा बनाया

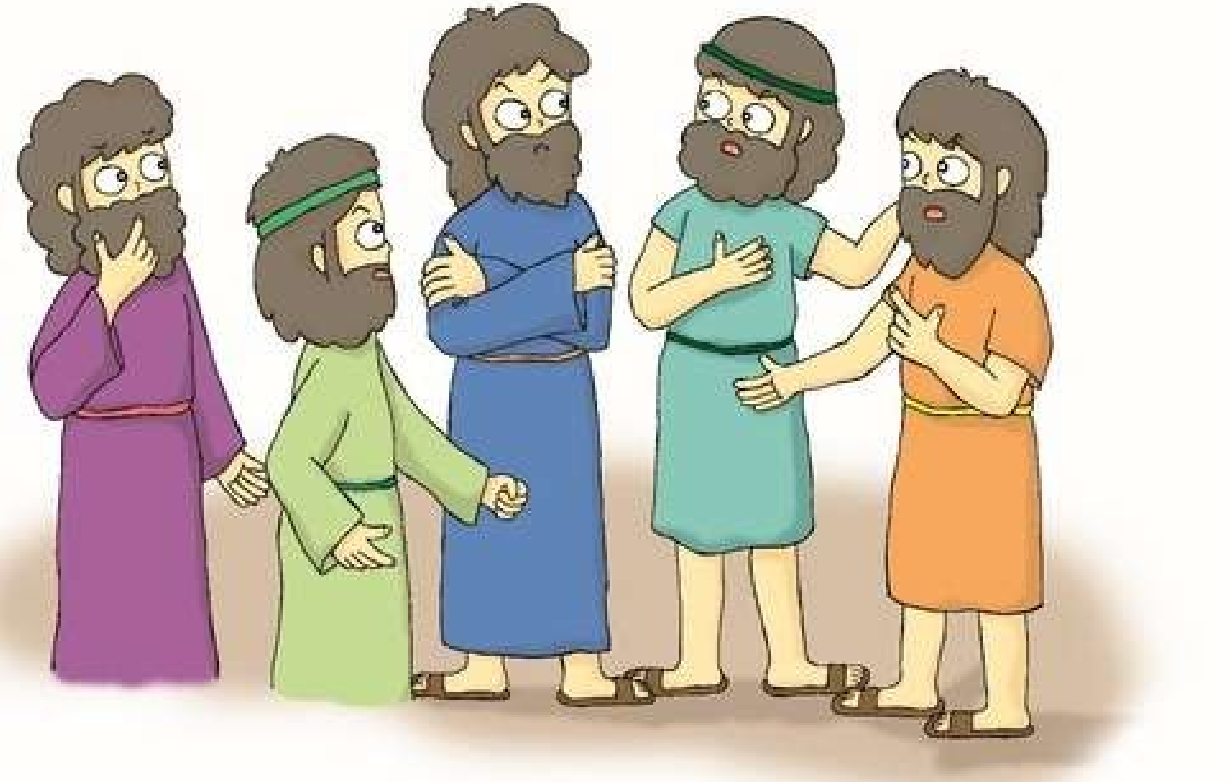

उसके भाई उससे बहुत नफरत करते थे क्योंकि उनके पिता उससे विशेष प्यार करते थे। “चलो जोसेफ को बेचते हैं। पिताजी को बता देते हैं कि वह मर

उन्होंने यूसुफ को दास के रूप में आने वाले
व्यापारियों को बेच दिया।

यूसुफ ने दास के रूप में कठिन जीवन व्यतीत किया। हालाँकि, वह बिना कोई पाप किए ईश्वर पर विश्वास करता था और उस पर भरोसा करता था।

यूसुफ को झूठे आरोप में जेल भेज दिया गया। हालाँकि ,
उसने जेल में भी परमेश्वर के सामने धर्मी बनने की कोशिश
की। परमेश्वर यूसुफ को नहीं भूला और परमेश्वर के पास

आज का पाठ

यूसुफ से उसके अपने भाइयों ने घृणा की और उसे दास के रूप में बेच दिया।
उन्हें भी झूठे आरोप में जेल में डाल दिया गया .
हालाँकि , उसने ईश्वर पर भरोसा किया और आगे से कोई पाप न करने का प्रयास किया।
हमें कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है .
आइए कोई पाप न करें और अपने पिता परमेश्वर से मदद मांगें जो स्वेच्छा से हमारी प्रार्थना सुन रहे हैं।

भगवान है?

हमारे पिता परमेश्वर..

कठिन समय में भी हमारे पिता परमेश्वर के पास हमारे लिए अद्भुत योजनाएँ हैं।

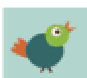

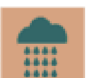

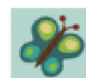

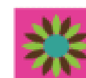

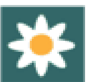

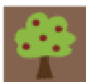

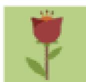

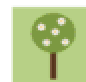

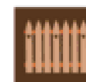

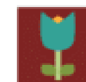

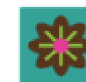

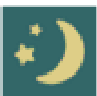

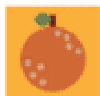

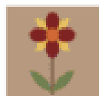

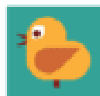

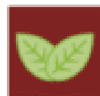

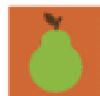

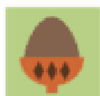

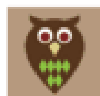

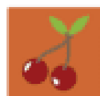

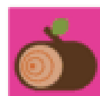

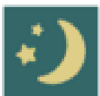

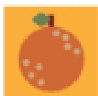

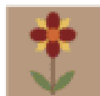

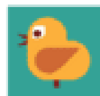

आज की प्रश्नोत्तरी

याकूब ने अपने बारह पुत्रों में से केवल यूसुफ को क्या दिया ?

①खिलौने _

② बाइबिल

③ अत्यधिक सुंदर कपड़ा

④ पैसा

आज का शब्द

"अब आओ, हम उसे मार डालें और इन हौदों में से किसी एक में फेंक दें
और कहते हैं, कि कोई क्रूर जानवर उसे खा गया।
फिर हम देखेंगे कि उसके सपनों का क्या होता है।"

(उत्पत्ति 37:20)

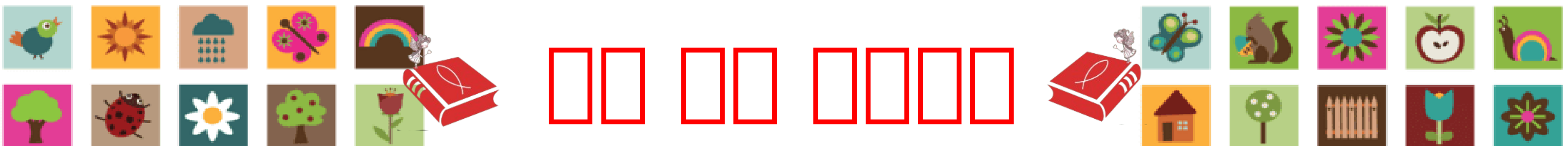

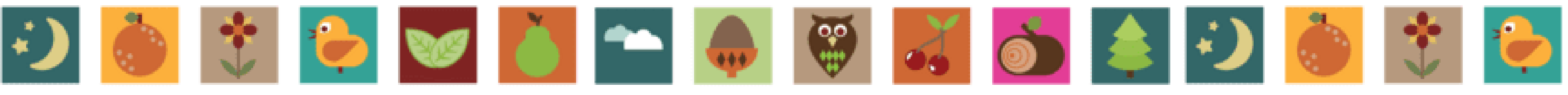

क्रमांक 13 परमेश्वर का वचन

जोसेफ मिस्र में प्रधान मंत्री बने

Bible Kids

आज का शब्द

फ़िरौन ने यूसुफ से कहा, मैं तुझे मिस्र के सारे देश का अधिकारी ठहराता हूं।

उत्पत्ति 41: 41

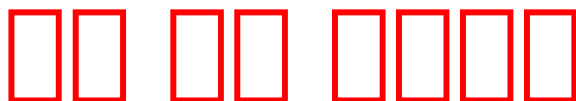

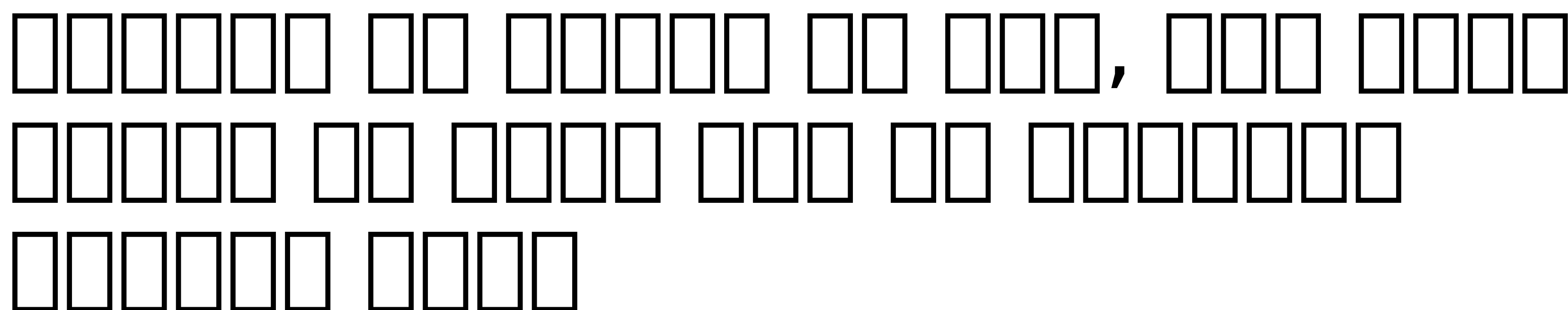

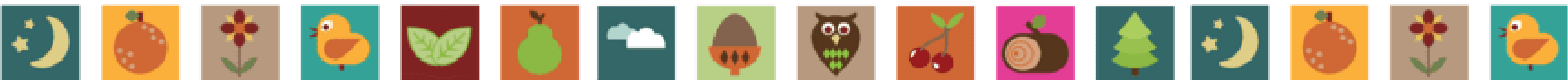

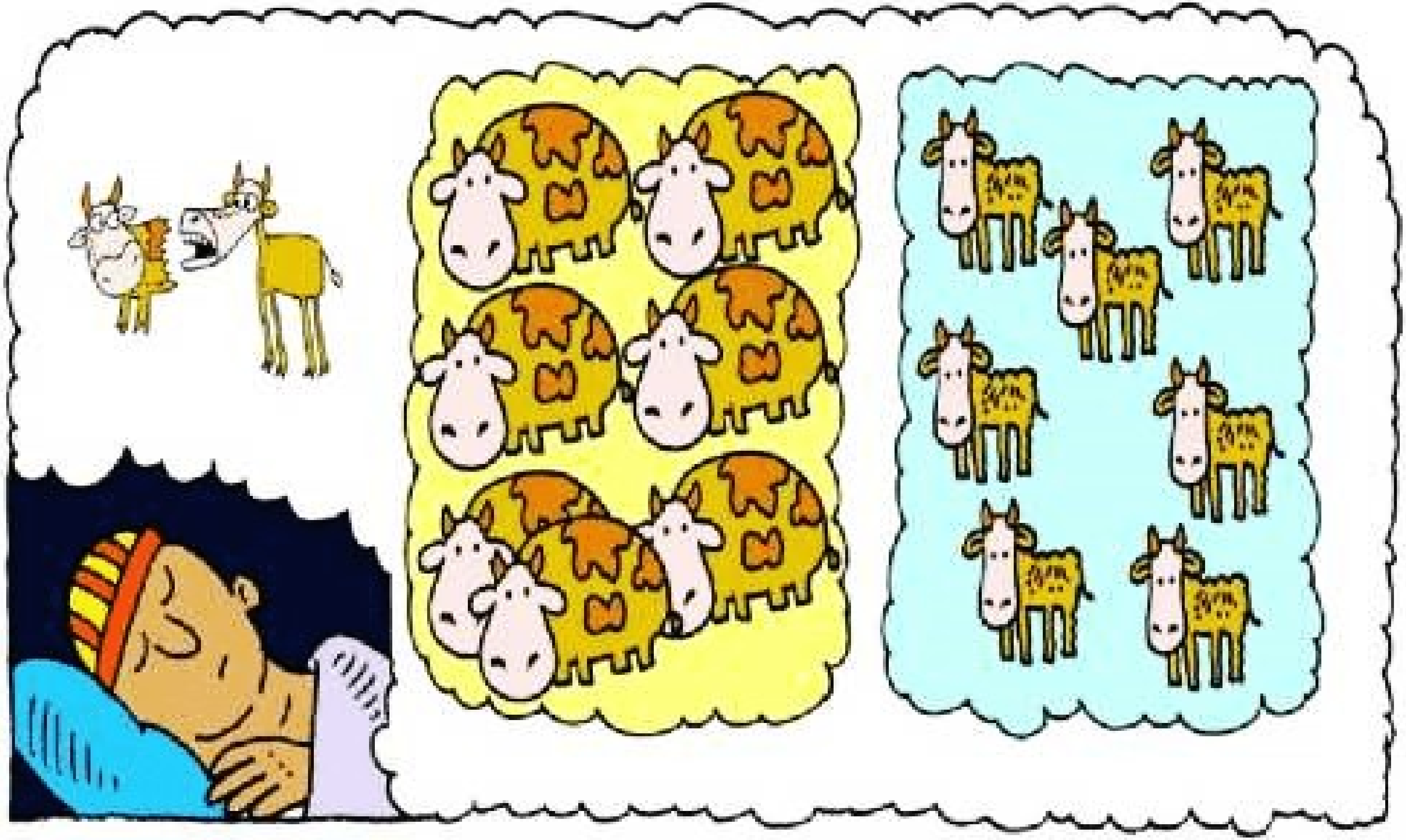

मिस्र के राजा फिरौन ने एक स्वप्न देखा। 7 मोटी गायें और उसके बाद 7 कुरूप गायें निकलीं। 7 बदसूरत गायों ने 7 मोटी गायों को खा लिया। बड़ा अजीब सपना था

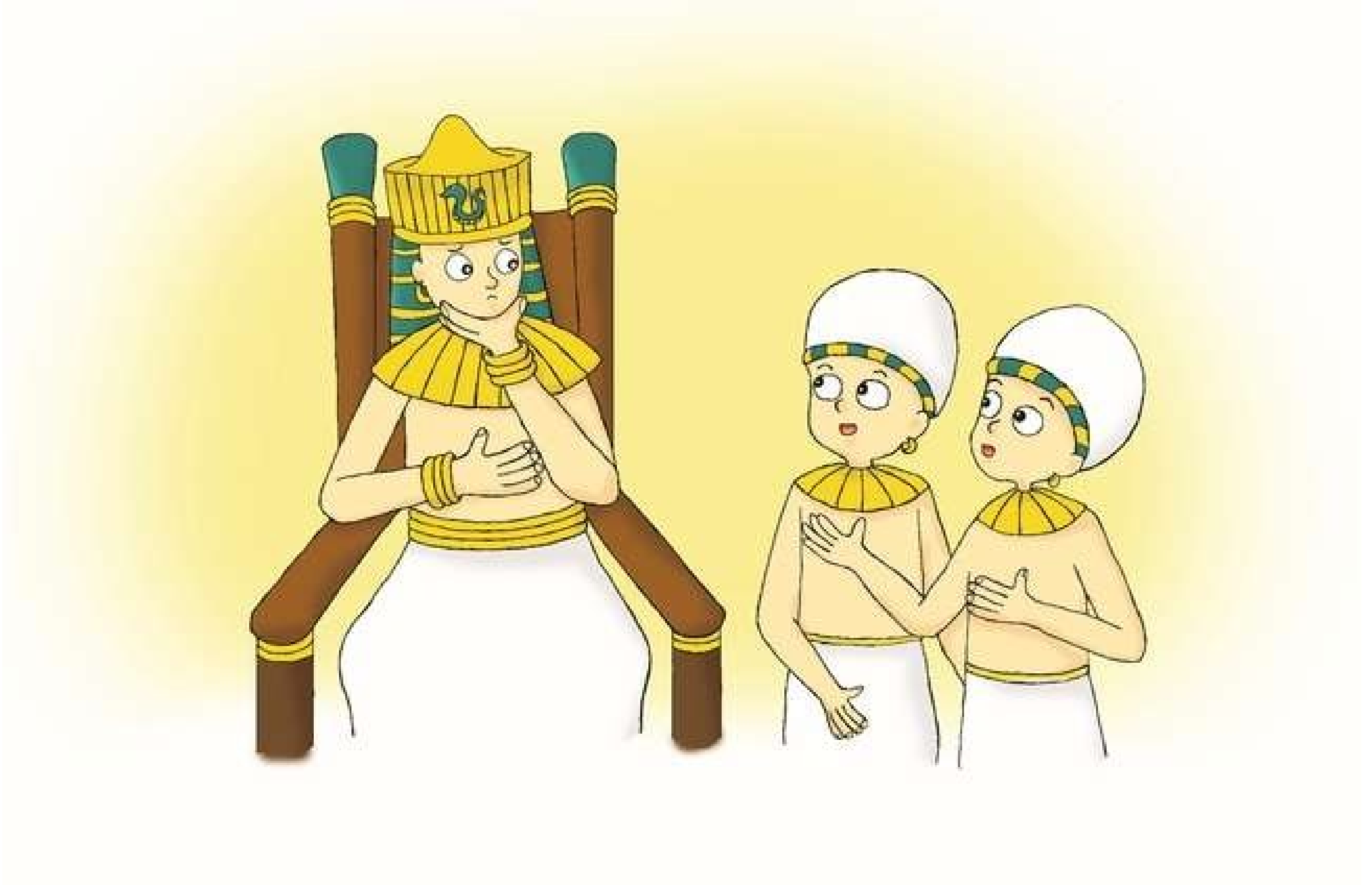

महल में कोई भी उसके स्वप्न का अर्थ नहीं बता सका।
मुख्य पिलानेहारे ने , जिसकी यूसुफ ने सहायता की थी , उसे राजा से मिलवाया।

परमेश्वर ने यूसुफ को बुद्धि दी। इसलिए, वह स्वप्न का अर्थ समझ सका और राजा को बता दिया।

फिरौन इतना प्रभावित हुआ कि उसने यूसुफ को, जो एक कैदी था, देश के दूसरे सबसे ऊंचे पद पर नियुक्त कर दिया।

यूसुफ मिस्र का प्रधान मंत्री बन गया और
परमेश्वर द्वारा उसे दी गई बुद्धि से उसने देश

आज का पाठ

परमेश्वर के पास यूसुफ के लिए
अद्भुत योजनाएँ थीं।
जब हमारे सामने कुछ कठिनाइयां
आती हैं तो हमें भी निराश नहीं
होना चाहिए ,

लेकिन हमें हमारे लिए भगवान की
अद्भुत योजनाओं की उम्मीद करनी
चाहिए और भगवान पर विश्वास करना
चाहिए।

भगवान है ?

ईश्वर अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करता है।

नीच को ऊंचा किया जाएगा और ऊंचे को नीचा किया जाएगा।

आज की प्रश्नोत्तरी

फिरौन के सपने में कौन से जानवर आये ?

① पक्षी

② कुत्ता

③ घोड़ा

④ गाय

आज का शब्द

फ़िरौन ने यूसुफ से कहा,
“मैं तुम्हें मिस्र के सारे देश का अधिकारी ठहराता हूँ।”

उत्पत्ति 41: 41

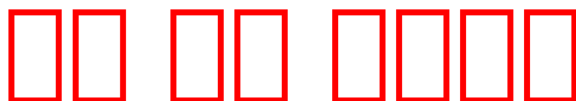

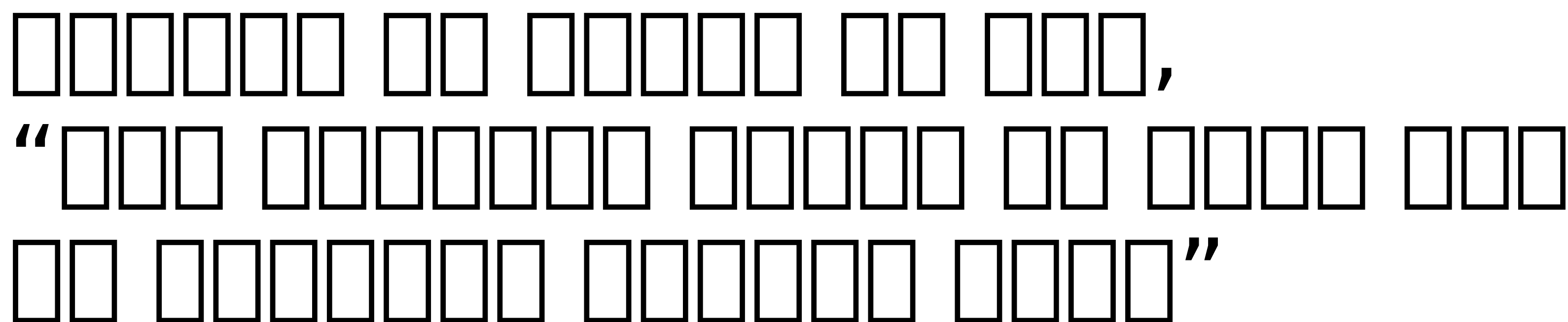

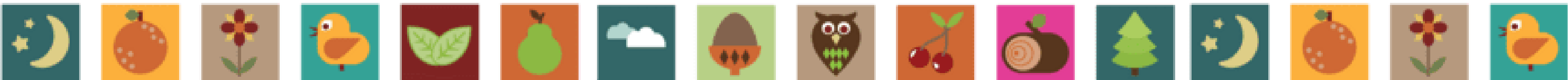

नहीं। **14 दैवीय कथन**

जोसेफ अपने भाइयों से दोबारा मिला

Bible Kids

आज का शब्द

यद्यपि यूसुफ ने अपने भाइयों को पहचान लिया, परन्तु उन्होंने उसे नहीं पहचाना।

उत्पत्ति 42: 8

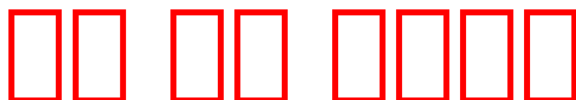

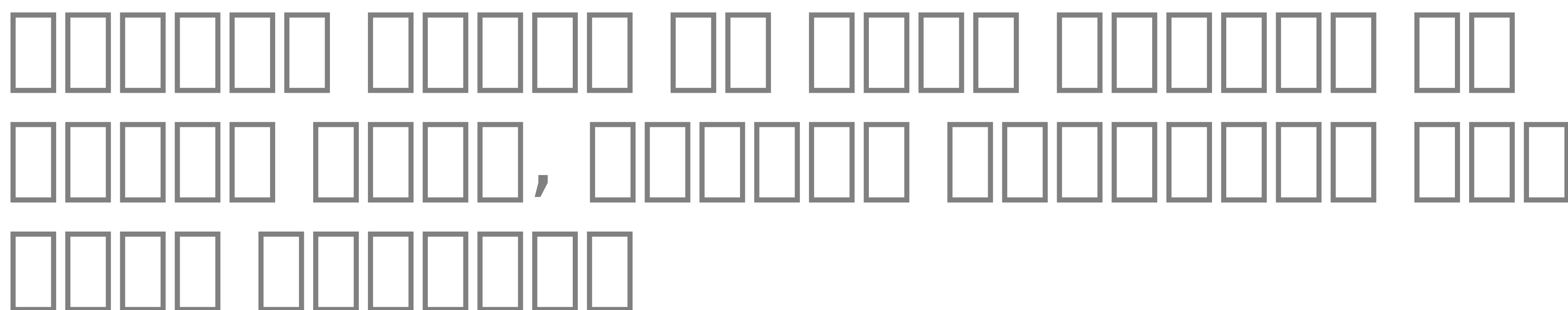

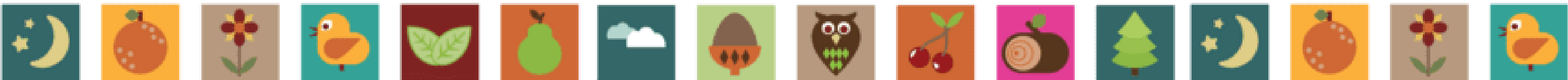

फिरौन ने यूसुफ को मिस्र का प्रधान मंत्री नियुक्त किया। जोसेफ ने 7 साल के भीषण अकाल को बुद्धिमानी से नियंत्रित किया।

हालाँकि , अकाल के कारण कनान में अनाज नहीं था। उन्हें खाने के लिए कुछ अनाज पाने के लिए मिस्र जाना पड़ा। यूसुफ के भाई भोजन मोल लेने के लिये

यद्यपि यूसुफ ने अपने भाइयों को पहचान लिया, परन्तु उन्होंने उसे नहीं पहचाना।

यूसुफ ने उन्हें बताया कि वह कौन था। वे चौंककर उसकी ओर देखने लगे और उससे डरने लगे

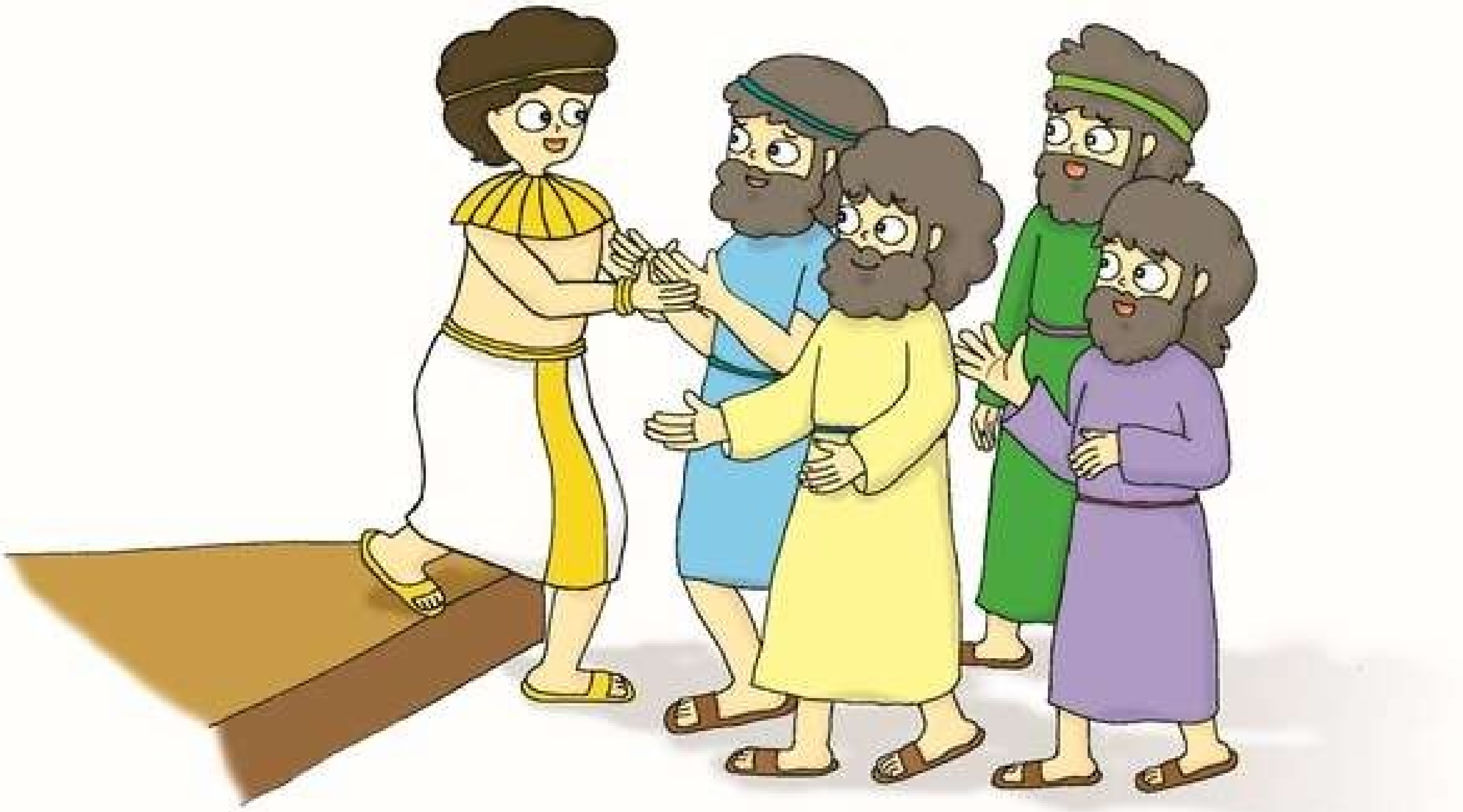

यूसुफ ने पहचान लिया कि परमेश्वर ने उसे मिस्र
क्यों भेजा है। उसने अपने भाइयों को माफ कर दिया और
अपने पूरे परिवार को मिस्र ले गया और उनकी सुरक्षित
देखभाल की

आज का पाठ

यूसुफ ने अपने उन भाइयों को क्षमा कर दिया जिन्होंने उसके साथ बुरा व्यवहार किया था और परमेश्वर की इच्छा के अनुसार उनसे प्रेम किया।

हमें अपने परिवार और दोस्तों को माफ करना होगा और उनसे प्यार करना होगा।

भगवान है?

ईश्वर..
हमें माफ कर देता है और हमसे प्यार करता है।

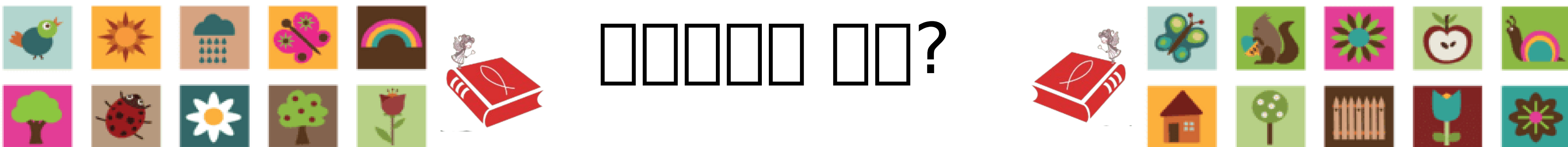

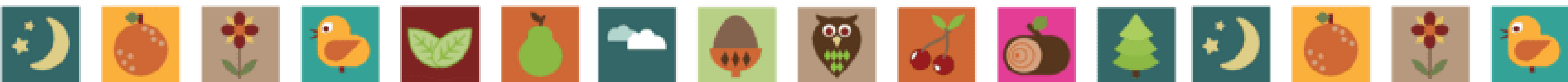

आज की प्रश्नोत्तरी

जोसेफ किस देश के प्रधानमंत्री बने ?

① मिस्र _

② इज़राइल _

③ फारस

④ बेबीलोन

आज का शब्द

यद्यपि यूसुफ ने अपने भाइयों को पहचान लिया, परन्तु उन्होंने उसे नहीं पहचाना।

उत्पत्ति 42: 8

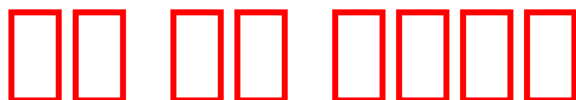

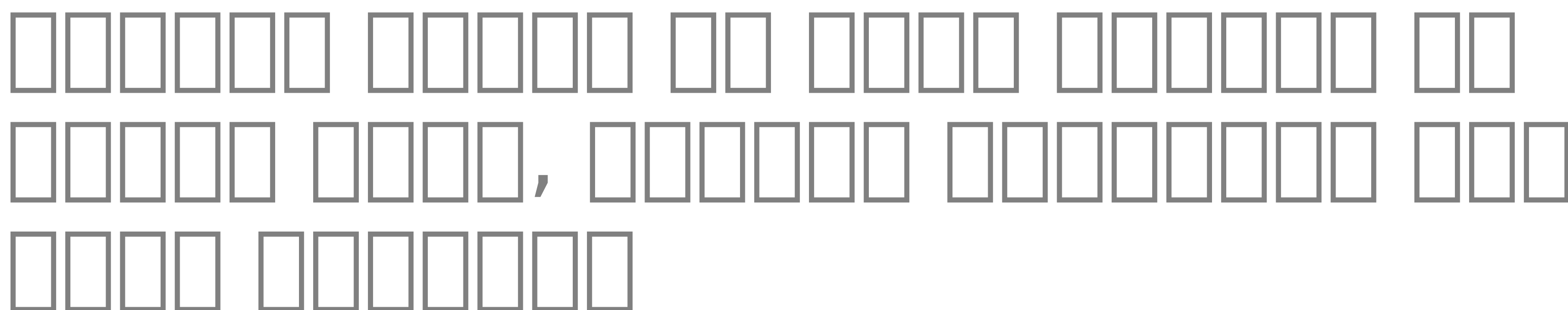

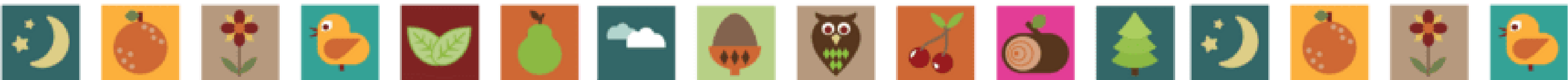

क्रमांक 15 परमेश्वर का वचन

एक बच्चा जिसे पानी से बचाया गया

आज का शब्द

जब बच्चा बड़ा हो गया , तो वह उसे फिरौन की बेटी के पास ले गई और वह उसका बेटा बन गया। उसने यह कहते हुए उसका नाम मूसा रखा , "मैंने उसे पानी से बाहर निकाला। "

एक्सोदेस 2:10

मिस्र के राजा फिरौन ने आदेश दिया कि सभी इस्राएली नवजात शिशुओं को नील नदी में फेंक दिया जाए और उन्हें मार डाला जाए।

मूसा की मां जोचेबेद के पास अपने बेटे को नील
नदी पर ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

उसी समय मिस्र की राजकुमारी की नजर नदी में नहाते समय उस बच्चे पर पड़ी। उसके मन में लड़के को बड़ा करने का ख्याल था।

उसकी बहन ने राजकुमारी को टोकरी से बच्चे को निकालते हुए देखा। उसने अपने बच्चे को दूध पिलाने के लिए उसकी असली मां , जोचेबेड का परिचय दिया

जब बच्चा बड़ा हो गया तो उसे राजकुमारी के पास वापस ले जाया गया ताकि वह उसका बेटा बन जाए। उसने यह कहते हुए उसका नाम मूसा रखा , “मैंने उसे पानी से बाहर निकाला। मूसा मिस्र में पले -बढ़े

आज का पाठ

परमेश्वर ने मूसा को बचाया।

भगवान ने अपनी अद्भुत बुद्धि और शक्ति (प्रोविडेंस) से हमें बचाया।

आइए विश्वास करें कि ईश्वर की योजनाएँ हमेशा मेरी योजना से बड़ी और अधिक परिपूर्ण होती हैं।

भगवान कौन है ?

ईश्वर ..

वह सर्वशक्तिमान ईश्वर है जो
किसी भी बाधा के बावजूद अपनी
इच्छा पूरी करता है।

आज की प्रश्नोत्तरी

जो बच्चा पानी में बह गया उसका क्या हुआ ?

① वह डूब गया और मछली ने उसे खा लिया।

② पक्षियों ने बच्चे को बचाया।

③ भगवान ने बच्चे को स्वर्ग से बचाया।

④ मिस्र की राजकुमारी ने उसे देखा और बचाया।

आज का शब्द

जब बच्चा बड़ा हो गया , तो वह उसे
फिरौन की बेटी के पास ले गई और वह
उसका बेटा बन गया। उसने यह कहते
हुए उसका नाम मूसा रखा , "मैंने
उसे पानी से बाहर निकाला। "

एक्सोदेस 2:10